राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार 26 सितंबर 2024 वर्ष-7,अंक-244 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

वक्फ संशोधन विधेयक पर जेपीसी को मिले सवा करोड़ फीडबैक.....आने लगी साजिश की बू

मोदी सरकार से मांग, पता करे भारत से कितने फीडबैक आए

नई दिल्ली ।

वक्फ संशोधन विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) ने सभी से राय मांगी थी। जिसमें करीब सवा करोड़ फीडबैक मिले है। अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को लग रहा है कि इसके पीछे विदेशी ताकतों की साजिश है। गोड्डा से बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने विदेशी संस्थाओं और कट्टरपंथी संगठनों के संभावित प्रभाव की आशंका जाहिर की है। उन्होंने गृह मंत्रालय के नेतृत्व में एक व्यापक जांच की भी मांग की है ताकि पता लग सके कि इतने सारे फीडबैक कहां से आए। मोदी सरकार ने वक्फ कानून में कुछ महत्वपूर्ण बदलावों के लिए पिछले सत्र में लोकसभा में संशोधन विधेयक पेश किया था। विपक्ष ने विधेयक को जेपीसी में भेजने की मांगी की और अब यह वक्फ अमेंडमेंट बिल जेपीसी के पास है। दुबे जेपीसी के सदस्यों में शामिल हैं। उन्होंने जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल को पत्र लिखकर संदेह व्यक्त किया कि इतनी बड़ी संख्या में फीडबैक केवल भारत से नहीं आ सकते है। उन्होंने बताया कि कई फीडबैक की भाषा मिलती-जुलती है, इससे साजिश की बू आ रही है। दुबे ने कहा, सबसे बड़ा मुद्दा यह है कि इनमें से कितने सुझाव भारत के भीतर से और कितने विदेश से आए। दुबे ने विशेष रूप से जाकिर नाइक जैसे व्यक्तियों और जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों के साथ-साथ पाकिस्तान की आईएसआई और चीन सहित कुछ विदेशी खुफिया एजेंसियों का नाम लिया, जो भारतीय लोकतंत्र को अस्थिर करने में जुटी रहती हैं। उन्होंने विधायी प्रक्रिया की अखंडता की रक्षा के लिए फीडबैक की जांच करने की आवश्यकता पर जोर दिया। दुबे ने जोर देकर कहा, ये फीडबैक कहां से आए, इसकी सावधानीपूर्वक जांच किया ही जाना चाहिए। हम विदेशी ताकतों को संभावित एजेंडे पर आधारित इनपुट के जरिए हमारी विधायी समितियों को प्रभावित करने की अनुमति नहीं दे सकते।

मलेशिया में फंसे झारखंड के 70 मजदूर.....सरकार से लगाई गुहार

रांची।

झारखंड के मजदूर काम की तलाश में अन्य देशों में जाते हैं, लेकिन कई बार ये मजदूर बड़ी मुसीबत में फंस जाते हैं। फिर झारखंड के 70 मजदूरों का मलेशिया में फंसे होने का मामला सामने आया है। दरअसल वहां फंसे मजदूरों ने वीडियो शेयर कर जानकारी दी। मजदूरों ने सरकार से बकाया राशि दिलाकर वतन वापसी की गुहार लगाई है। मलेशिया में फंसे मजदूरों ने बताया कि पिछले चार महीनों से मजदूरों को कंपनी ने वेतन भी नहीं दिया। इसकारण मजदूरों को खाने पीने को लेकर भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिस कारण मजदूरों ने सरकार से गुहार लगाई है कि उनकी जल्दी से जल्दी वतन वापसी हो। साथ ही उनका चार महीने का वेतन भी दिलाया जाए। वहीं मजदूरों के हित में काम करने वाले एक शख्स ने केंद्र और राज्य सरकार से अपील कर मजदूरों की जल्द वतन वापसी की अपील की। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार को मजदूरों के पलायन को रोकने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। बता दें कि वहां फंसे मजदूर हजारीबाग, गिरिडीह, बोकारो और धनबाद जिले के रहने वाले हैं।

दिल्ली में ऑड-ईवन की तैयारी.....कृत्रिम बारिश कराने की अनुमति मांगी

नई दिल्ली ।

दिल्ली में आतिशी सरकार में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सर्दी का एक्शन प्लान का ऐलान किया है। दिल्ली में सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण से निपटने के लिए 21 सूत्री कार्य योजना लागू होगी। मंत्री राय ने कहा, वायु प्रदूषण को कंट्रोल करने के लिए दिल्ली के आस-पास के राज्यों और केंद्र को मिलकर काम करने की जरूरत है। 2016 से 2023 के बीच वायु प्रदूषण में 34.6 फीसदी की कमी दर्ज हुई है। दिल्ली में वनरोपण जैसी दीर्घकालिक योजना से वायु प्रदूषण कम हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछले 4 साल में 2 करोड़ पेड़ लगाए गए, वृक्षारोपण नीति से मदद मिली, दिल्ली की सड़कों पर 7545 पब्लिक ट्रांसपोर्ट बसें चल रही हैं। ईवी नीति सफल साबित हो रही है। दिल्ली ने अपना थर्मल पावर प्लांट बंद किया है, लेकिन एनसीआर राज्यों में इसी तरह के प्लांट अभी भी चालू हैं। राय ने कहा कि दिल्ली सरकार ऑड-ईवन की तैयारी कर रही है। यह प्लान केवल इमरजेंसी उपाय के रूप में लागू होगा। उन्होंने कहा, विभाग ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखकर सर्दियों के दौरान कृत्रिम बारिश कराने की अनुमति मांगी है। हम 1 से 15 नवंबर के बीच कृत्रिम बारिश की तैयारी करना चाहते हैं, जब दिवाली के बाद और पराली जलाने के कारण प्रदूषण का स्तर चरम पर होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि मंत्री ने अभी तक पत्र का जवाब नहीं दिया है। मंत्री राय ने कहा कि प्रदूषण के हॉटस्पॉट इलाकों की ड्रोन के जरिए रियल-टाइम निगरानी की जाएगी।

कांग्रेस से बड़ी बेईमान और धोखेबाज पार्टी कोई और नहीं : पीएम मोदी

कांग्रेसी मुख्यमंत्री आपस में लड़ते रहते

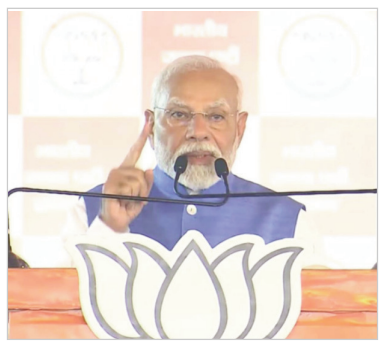

गोहाना ।

हरियाणा विधानसभा चुनाव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोहाना में जनसभा के दौरान कांग्रेस पर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस से बड़ी बेईमान और धोखेबाज पार्टी देश में और कोई नहीं है...। गोहाना में रैली को संबोधित कर पीएम मोदी ने कहा कि हरियाणा भाजपा का संकल्प पक्की गारंटी होता है। भाजपा जो कहती है, उस काम को करके दिखाती है। हरियाणा में भी हर वायदे तेजी से जमीन पर उतरने में पूरी भाजपा जीन जान से जुटी जाएगी। बस आपको पांच अक्टूबर को हमारे इन सभी उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाना है। लगातार तीसरी बार हरियाणा में कमल खिलाना है। कांग्रेस ने 60 साल देश पर राज किया, लेकिन कांग्रेस ने कभी देश की बेटियों की चिंता नहीं हुई। जब मैं आया तब मैंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया, जिससे हरियाणा को फायदा हुआ। पहले 1000 बेटों पर 866 बेटियां थी, लेकिन अब 1000 पर 914 बेटियां हैं। हरियाणा भाजपा नारी शक्ति को और सशक्त करने के लिए और अच्छा काम कर रही है।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस शासित हर राज्य में उनके मुख्यमंत्री झगड़ों में उलझे हुए हैं, कांग्रेसी मुख्यमंत्रियों को जनता की तकलीफ से कोई लेना देना नहीं है। कर्नाटक के सीएम और डिप्टी सीएम आपस में लड़ रहे हैं। तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश का भी यहीं हाल हैं। इसलिए हरियाणा को भी बहुत सावधान रहना चाहिए। गलती से भी कांग्रेस आ गई तब अपने झगड़ों में हरियाणा को बर्बाद कर देगी। यहां पर कांग्रेस में जिस तरह झगड़े बढ़ रहे हैं, पूरा हरियाणा देख रहा है। कांग्रेस को वोट देना यानी हरियाणा के विकास को दांव पर लगाना है।

पीएम मोदी ने कहा कि आरक्षण का विरोध कांग्रेस के डीएनए में हैं। इसलिए हम देखते हैं कि कांग्रेस के शाही परिवार की चौथी पीढ़ी भी आरक्षण का विरोध कर रही है। इसलिए आपको सावधान रहना होगा। भाजपा ने वंचित और पिछड़े समाज को हरियाणा में यहां आगे बढ़ाया है। हमारे ओबीसी वर्ग से आने वाले नायब सैनी को भाजपा ने मुख्यमंत्री बनाया। सैनी एक किसान-मजदूर का बेटा है। इनके दरवाजे लोगों के लिए चौबीस घंटों के लिए खुले रहते हैं। कांग्रेस सरकार अस्थिरता के लिए भी जानी जाती है।

मोदी ने कहा कि कांग्रेस दलितों, पिछड़ों, शोषितों के साथ भी धोखा किया है। आजकल कांग्रेस के भीतर सिर-फुटौव्वल हो रही है, ये कांग्रेस के पुराने पापों का ही परिणाम है। 2014 में जब हुड्डा यहां सीएम हुआ करते थे, तब ऐसा कोई साल नहीं था जब दलितों के साथ अन्याय नहीं हुआ। अनेक दलितों के साथ अन्याय हुआ। हर कोई जानता था कि दलितों के खिलाफ कांग्रेस खाद-पानी देती है। आज हरियाणा का दलित समाज फिर हरियाणा के अंदर कांग्रेस का जो ड्रामा चल रहा है, उस ड्रामे को अच्छी तरह देख रहा है। कांग्रेस ने हमेशा ही गरीब और पिछड़ों को विकास से बाहर रखा है। जब-जब कांग्रेस सरकार से दूर रही है तब-तब गरीबों को उनका हक मिला है, जब-जब कांग्रेस की सरकार रही है गरीबों और दलितों का हक छीना गया है। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस और इनके साथियों को जम्मू कश्मीर में शांति पसंद नहीं हैं। कांग्रेस फिर से धारा 370 वापस लाना चाहती है। आतंक और अलगाववाद को फिर से हवा देना चाहती है। ऐसी कांग्रेस को आप हरियाणा के लोग सबक सिखाएंगे, ये मुझे पूरा भरोसा है।

देश के किसी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकते, माफ़ी मांगे: सीजेआई

कर्नाटक हाईकोर्ट के जज ने मुस्लिम इलाके को पाकिस्तान कहा था

- किसी भी समुदाय के प्रति टिप्पणी करते समय सावधानी बरतनी चाहिए
- लाइव स्ट्रीमिंग बंद करने का विकल्प सही नहीं

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के जज द्वारा बेंगलुरु के एक मुस्लिम बहुल इलाके को पाकिस्तान कहे जाने पर कड़ा संज्ञान लिया है। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि किसी भी देश के हिस्से को पाकिस्तान कहना न केवल गलत है, बल्कि यह देश की एकता और अखंडता के खिलाफ है। सीजेआई ने जजों को हिदायत दी कि किसी भी समुदाय के प्रति टिप्पणी करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा, आप देश के किसी भी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकते हैं। यह देश की एकता के मौलिक सिद्धांत के खिलाफ है। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस वी श्रीशनंदा द्वारा दिए गए इस बयान का वीडियो वायरल होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने स्वत-संज्ञान लिया और सुनवाई शुरू की। जस्टिस श्रीशनंदा ने सुप्रीम कोर्ट में माफी मांगते हुए कहा कि उनका उद्देश्य किसी समुदाय को ठेस पहुंचाना नहीं था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने उनकी माफी को स्वीकार करते हुए मामला बंद कर दिया। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने जजों और वकीलों को सलाह दी कि इलेक्ट्रॉनिक युग में सार्वजनिक मंचों पर उचित और जिम्मेदार टिप्पणियां करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायिक अधिकारियों को अपनी टिप्पणियों के प्रति सतर्क रहना चाहिए। विशेषकर ऐसे समय में जब कोर्ट की कार्यवाही लाइव स्ट्रीम होती है और सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित होती है। इस घटना के बाद कर्नाटक हाईकोर्ट ने बिना अनुमति के अदालत की कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग पर रोक लगा दी थी। इस पर सीजेआई ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया को अधिकतम पारदर्शी बनाने के लिए इसे प्रकाश में लाने की जरूरत है, न कि दबाने की। उन्होंने कहा कि लाइव स्ट्रीमिंग न्याय की पारदर्शिता को बनाए रखने का एक अहम जरिया है, और इसे बंद करने का विकल्प सही नहीं है।

दिल्ली में ईदगाह के पास वक्फ की जमीन पर लगेगी लक्ष्मीबाई की मूर्ति

हाईकोर्ट ने किया बोर्ड का दावा खारिज, सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी

नई दिल्ली।

दिल्ली में दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की जमीन पर वक्फ बोर्ड के दावे को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। अब डीडीए इस जमीन पर रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा लगाएगा। हाईकोर्ट के फैसले के बाद डीडीए के अधिकारियों ने प्रतिमा स्थापित करने के लिए खुदाई भी शुरू कर दी है।

शाही ईदगाह के पास की इस जमीन पर फैसला आने के बाद डीडीए और एमसीडी के अधिकारी मौके पर पहुंचे और मूर्ति लगाने का काम शुरू कर दिया है। सुरक्षा की दृष्टि से ईदगाह परिसर के चारों और बैरिकेडिंग लगाकर आने-जाने वालों के लिए रास्ते को बंद कर दिया है और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सुरक्षा के इंतजाम किए गए हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने 13 हजार वर्ग मीटर के पार्क को डीडीए की संपत्ति घोषित करते हुए वक्फ बोर्ड के दावे को खारिज कर दिया है। इस मामले में वक्फ बोर्ड ने दावा किया था कि ये जमीन उनकी है, लेकिन कोर्ट ने डीडीए के पक्ष में फैसला सुनाया है. इससे रानी लक्ष्मी बाई की प्रतिमा लगाने का रास्ता साफ हो गया है। हाईकोर्ट के इस फैसले पर प्रतिमा स्थापना के समर्थक खुश हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला महारानी लक्ष्मी बाई की विरासत को सम्मानित करने के लिए एक अहम कदम है।

उधर माना जा रहा है कि हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ अब वक्फ बोर्ड सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी कर रहा है।

मेक इन इंडिया ने दिखाया दम.....90 से अधिक देशों को हथियार निर्यात कर रहा भारत

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पोस्ट कर बताया

नई दिल्ली ।

मोदी सरकार में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि भारत का रक्षा उत्पादन 2023-24 में मूल्य के लिहाज से 1.27 लाख करोड़ रुपये के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है और भारत अब 90 से अधिक मित्र देशों को हथियार और सैन्य साजो सामान निर्यात कर रहा है। राजनाथ सिंह ने एनडीए सरकार के मेक इन इंडिया कार्यक्रम की 10वीं वर्षगांठ पर एक्स पर पोस्ट में कहा कि भारतीय सशस्त्र बल अब भारतीय सरजमीं पर निर्मित हथियारों और साजो सामान का उपयोग कर रहे हैं और देश वैश्विक रक्षा औद्योगिक परिदृश्य में उभर रहा है। रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कुशल नेतृत्व के तहत सरकार ने देश को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के मकसद से मेक इन इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा तब से 10 साल बाद, रक्षा सहित हर क्षेत्र में कई सुधार हुए हैं। भारत दुनिया के रक्षा औद्योगिक परिदृश्य में उभर रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा आज भारतीय सशस्त्र बल इसतरह के हथियारों और साजो सामान का उपयोग कर रहे हैं, जो हमारी अपनी धरती पर निर्मित हैं और हम 90 से अधिक मित्र देशों को रक्षा सामग्रियां भी निर्यात कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में, सरकार ने घरेलू रक्षा उद्योग को

बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। इसका फोकस घरेलू रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा देने तथा विशेष रूप से चीन के साथ लगी सीमा पर स्थित क्षेत्रों में सैन्य तैयारियों को मजबूत करने पर रहा है।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव : राहुल ने कहा- जम्मू-कश्मीर को दिलाकर रहेंगे पूर्ण राज्य का दर्जा

जम्मू।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बुधवार को जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव प्रचार के लिए बारामूला पहुंचे। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यदि विधानसभा चुनाव के बाद केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं देती है तो इंडिया ब्लॉक संसद में अपनी पूरी ताकत के साथ इस मांग को उठाएगा और जरूरत पड़ने पर सड़क पर भी उतरेगा। राहुल गांधी ने कहा कि यह यहां के लोगों के साथ अन्याय करने जैसा ही है, कि 2019 में जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बांट दिया गया। भारत के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ था कि किसी राज्य से उसके राज्य का दर्जा ही छीन लिया गया हो और उसे केंद्र शासित प्रदेश में बदल दिया हो। राहुल ने कहा, कि हम तो चाहते थे कि चुनाव से पहले ही आपको आपका स्टेटहुड वापस मिल जाए। यही जम्मू-कश्मीर के लोग भी चाहते थे. लेकिन ऐसा हो नहीं पाया। अब जम्मू-कश्मीर में चुनाव के बाद मोदी सरकार को जम्मू-कश्मीर को स्टेटहुड वापस देना पड़ेगा। इंडिया गठबंधन आपको आपका स्टेटहुड वापस दिला कर

रहेगा, यदि अभी संभव नहीं हुआ तो केंद्र में इंडिया गठबंधन के आते ही इसे कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि पिछले तीन हफ्तों में राहुल गांधी का यह तीसरा जम्मू-कश्मीर दौरा रहा है। इससे पहले 4 सितंबर को उन्होंने बनिहाल और दूरू में चुनाव प्रचार किया था, जबकि 23 सितंबर को उन्होंने सुरनकोट और सेंट्रल-शाल्टेंग में चुनाव प्रचार किया था। आज बुधवार 25 सितंबर को जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के तहत दूसरे चरण का मतदान हुआ है। बताते चलें कि यहां पर तीन चरणों में विधानसभा चुनाव संपन्न होने हैं। दूसरे चरण के तहत आज 26 सीटों पर मतदान करवाया गया है। अंतिम चरण का मतदान 1 अक्टूबर को होना है और परिणाम हरियाणा विधानसभा चुनाव के साथ 8 अक्टूबर को आएंगे।

एशिया पावर इंडेक्स में भारत का बढ़ा दबदबा

जापान को पछाड़कर तीसरा सबसे ताकतवर देश बना भारत

नई दिल्ली ।

एशिया पावर इंडेक्स में जापान को पछाड़कर भारत तीसरा सबसे ताकतवर देश बन गया है। बुधवार को भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। मंत्रालय ने बताया कि भारत के तेज आर्थिक विकास, युवा जनसंख्या, अर्थव्यवस्था का विस्तार की वजह से भारत की स्थिति बेहतर हुई है। साथ ही ये भारत की दुनिया में बढ़ती साख को भी दर्शाता है।

मंत्रालय ने बयान में कहा कि एक बड़े बदलाव के तहत भारत ने जापान को पछाड़कर एशिया पावर इंडेक्स में तीसरे सबसे ताकतवर देश का दर्जा हासिल किया है। ये भारत की दुनियाभर में बढ़ रही साख को दर्शाता है। एशिया पावर इंडेक्स की शुरुआत साल 2018 में लॉवी इंस्टीट्यूट द्वारा की गई थी। इसमें एशिया प्रशांत क्षेत्र में सालाना आधार पर ताकतवर देशों की एक सूची तैयार की जाती है। इसमें एशिया प्रशांत के 27 देशों की स्थिति का आकलन किया जाता है।

इन वजहों से बढ़ रही दुनिया में भारत की साख

मंत्रालय ने बताया कि एशिया पावर इंडेक्स में पता चला है कि क्षेत्रीय ताकतों की सूची में भी भारत की स्थिति लगातार बेहतर हो रही है और भारत का प्रभाव भी बढ़ रहा है। भारत के उछाल में सबसे अहम फैक्टर इसका आर्थिक विकास है। मंत्रालय ने कहा कि भारत ने कोरोना महामारी के बाद जबरदस्त आर्थिक रिकवरी की, जिसकी वजह से भारत की आर्थिक क्षमताओं में 4.2 अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई। देश के आर्थिक विकास में इसकी बड़ी जनसंख्या की अहम भूमिका है और मजबूत आर्थिक वृद्धि दर के चलते भारत दुनिया दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

युवा जनसंख्या भारत की ताकत

भारत को अपने क्षेत्रीय प्रतिद्वंदियों चीन और जापान की तुलना में जनसांख्यिकी का भी फायदा मिला है। चीन और जापान जहां अपनी बुजुर्ग होती जनसंख्या से जूझ रहे हैं, वहीं भारत के पास विशाल युवा आबादी है, जो इसके आर्थिक विकास को आने वाले दशकों में मजबूती देती रहेगी। क्वाड और विभिन्न वैश्विक संगठनों में भारत की मौजूदगी से कूटनीति की दुनिया में भी भारत का प्रभाव बढ़ा है। एशिया पावर इंडेक्स में किसी भी देश की ताकत का आकलन उसकी आर्थिक क्षमता, सैन्य क्षमता, भविष्य के संसाधनों, आर्थिक साझेदारी, रक्षा नेटवर्क, कूटनीतिक प्रभाव और सांस्कृतिक प्रभाव के आधार पर किया जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पर्यावरण को स्वस्थ बनाकर ही मनुष्य-स्वास्थ्य संभव

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस इस बात की याद दिलाता है कि पर्यावरण संरक्षण केवल प्राकृतिक दुनिया का संरक्षण नहीं है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा है। इसलिए, जब लोग समुदायों में एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो पर्यावरण के कारण होने वाली आपदाओं के बावजूद उन्हें स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए अच्छे उपायों को अपनाना आसान हो जाता है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि इस दिन हम रुकें और इस बात पर विचार करें कि हम पर्यावरणीय स्वास्थ्य को कैसे बेहतर बना सकते हैं और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए और अधिक प्रयास कर सकते हैं।

(लेखक - ललित गर्ग)

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस- 26 सितम्बर, 2024)

हर साल दुनियाभर में 26 सितंबर को विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य उद्देश्य है, पर्यावरणीय स्वास्थ्य का मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूकता पैदा करना। हम सभी जानते हैं कि स्वस्थ रहने के लिए पर्यावरण को बचाना कितना जरूरी है। जिस जगह हम रहते हैं, वहां पर्यावरण से जुड़ी हर चीज की देखभाल करना हर व्यक्ति का फर्ज होना चाहिए। हर बीमारी का उपचार प्रकृति एवं पर्यावरण में है। इस दिवस की 2024 की थीम है पर्यावरण स्वास्थ्य, आपदा जोखिम न्यूनीकरण और जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन के माध्यम से लचीले समुदायों का निर्माण।' प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, औद्योगीकरण, शहरीकरण, वैश्वीकरण और प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिये गंभीर खतरा है। मनुष्य को घेर रही तरह-तरह की बीमारियों का सबसे बड़ा कारण प्रकृति के प्रति लापरवाही एवं उपेक्षा है। ग्लोबल वार्मिंग, वनों की कटाई, नदियों में गंदगी फैलाना, पशुओं को हानि पहुंचाना आदि पर्यावरणीय स्वास्थ्य के नुकसान पहुंचाने के कई कारण हैं। अनियोजित औद्योगीकरण, बढ़ता प्रदूषण, घटते रेगिस्तान एवं ग्लेशियर, नदियों के जलस्तर में गिरावट, पर्यावरण विनाश, प्रकृति के शोषण और इनके दुरुपयोग के प्रति असंवेदनशीलता पूरे विश्व को एक बड़े संकट की ओर ले जा रही है। इन संकटों के बीच प्राकृतिक पर्यावरण, वायु, जल, भोजन, आवास और समुदायों की गुणवत्ता में सुधार को बढ़ावा देने के लिये इस दिवस की विशेष प्रासंगिकता है।

26 सितंबर, 2011 को इंडोनेशिया में आयोजित शिखर सम्मेलन में इस दिन की स्थापना हुई थी। यह दिवस लोगों को पर्यावरण के कई पहलुओं के बारे में शिक्षित करने का एक साधन है जो किसी न किसी तरह से स्वास्थ्य पर प्रभाव डाल सकते हैं जैसे कि हवा और पानी की गुणवत्ता, ठोस अपशिष्ट निपटान, और खतरनाक पदार्थों का प्रभाव। यह दिवस मनुष्य स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका को बढ़ावा देने और सभी निवासियों के जीवन के लिए आवश्यक पर्यावरण की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए पर्याप्त साधनों की खोज से जुड़ा है। हानिकारक पर्यावरणीय कारक श्वसन पथ के संक्रमण या जलजनित रोगों सहित विभिन्न गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ाती हैं। जलवायु परिवर्तन शमन और अनुकूलन पर्यावरणीय स्वास्थ्य के लिये मुख्य रूप से ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को समाप्त करने, नवीकरणीय ऊर्जा, कुशल स्वास्थ्यवर्द्धक ऊर्जा उपयोग और वनीकरण पर आधारित हैं। शमन का अर्थ है लोगों के व्यवहार को बदलना और सूखे का सामना करने वाली फसलों को विकसित करना और सिंचाई प्रणालियों में सुधार जैसे कठोर और नरम उपायों के माध्यम से उपयुक्त जलवायु के लिए पर्यावरण में आवश्यक संशोधन करना।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस इस बात की याद दिलाता है कि पर्यावरण संरक्षण केवल प्राकृतिक दुनिया का संरक्षण नहीं है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य और भविष्य की सुरक्षा है। इसलिए, जब लोग समुदायों में एक साथ मिलकर काम करते हैं, तो पर्यावरण के कारण होने वाली आपदाओं के बावजूद उन्हें स्वस्थ जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए अच्छे उपायों को अपनाना आसान हो जाता है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि इस दिन हम रुकें और इस बात पर विचार करें कि हम पर्यावरणीय स्वास्थ्य को कैसे बेहतर बना सकते हैं और पर्यावरणीय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए और अधिक प्रयास कर सकते हैं। ऐसा करने के लिए हमें पर्यावरणीय स्वास्थ्य को सभी के लिए बेहतर और स्वस्थ भविष्य के मार्ग के रूप में अपनाने की आवश्यकता है। यह दिन विशेष रूप से आधुनिक वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने और उन प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किया गया है जो दुनिया को लोगों और पर्यावरण दोनों के लिए एक बेहतर स्थान बनाने में मदद कर सकते हैं। इस दिन को सेमिनार, कार्यशाला, मीटिंग आदि जैसी विभिन्न गतिविधियों द्वारा चिह्नित किया जाता है। यह लोगों, संगठनों और सरकारों को एक साथ आने और समुदाय के बेहतर और अधिक टिकाऊ रूपों को बनाने के लिए रणनीतियों पर विचार करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह दिन पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य को एक दूसरे से निकटता से जुड़ा हुआ मानता है। यह उल्लेखनीय है कि प्रतिकूल पर्यावरणीय परिस्थितियाँ कई बीमारियों का मूल कारण हैं, उदाहरण के लिए, श्वसन रोग, जलजनित रोग और पुरानी बीमारियाँ। विशेषतः वायु प्रदूषण जानलेवा होता जा रहा है, जीवन की औसत आयु को कम कर रहा है। दरअसल, हमारे नीति-नियंता प्रदूषण कम करने के लिये नागरिकों को जागरूक करने में भी विफल रहे हैं। हमारी सुख-सुविधा की ललक ने भी वायु प्रदूषण बढ़ाया है। अब चाहे गाहे-बगाहे होने वाली आतिशबाजी हो, प्रतिबंध के बावजूद पराली जलाना हो, या फिर सार्वजनिक परिवहन सेवा से परहेज हो, तमाम कारण प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। कल्पना कीजिए बच्चों और दमा, एलर्जी व अन्य सांस के रोगों से जूझने वाले लोगों पर इस प्रदूषण का कितना घातक असर होगा? यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो की हालिया रिपोर्ट फिक्र बढ़ाती है जिसमें कहा गया कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है।

दुनिया की आबादी आठ अरब से अधिक हो चुकी है। इसमें से लगभग आधे लोगों को साल में कम से कम एक महीने पानी की भारी कमी का सामना करना पड़ता है। जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। पैकेट और बोतल बन्द पानी आज विकास के प्रतीकचिह्न बनते जा रहे हैं और अपने संसाधनों के प्रति हमारी लापरवाही अपनी मूलभूत आवश्यकता को बाजारवाद के हवाले कर देने की राह आसान कर रही है। विशेषज्ञों ने जल को उन प्रमुख संसाधनों में शामिल किया है, जिन्हें भविष्य में प्रबंधित करना सबसे चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। सदियों से निर्मल जल का स्त्रोत बनी रहीं नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहा है, और भू-जल स्तर लगातार घट रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी तीसरी पारी में अब प्रकृति-पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण-मुक्ति के साथ बढ़ते रेगिस्तान को रोकने के लिये सक्रिय हैं। बंजर जमीन को उपजाऊ बनाने एवं पर्यावरण की रक्षा को लेकर प्रधानमंत्री का संकल्प एक शुभ संकेत है, नये भारत के अभ्युदय का प्रतीक है। सरकार की नीतियों में जल, जंगल, जमीन एवं जीवन की उन्नत संभावनाएं और भी प्रखर रूप में झलक रही है।

मनुष्य का लोभ एवं संवेदनहीनता भी त्रासदी की हद तक बढ़ी है, जो वन्यजीवों, पक्षियों, प्रकृति एवं पर्यावरण के असंतुलन एवं विनाश का बड़ा सबब बना है। मनुष्य के कार्य-व्यवहार से ऐसा मालूम होने लगा है, जैसे इस धरती पर जितना अधिकार उसका है, उतना किसी ओर का नहीं- न वृक्षों का, न पशुओं का, न पक्षियों का, न नदियों-पहाड़ों-तालाबों का। ये स्थितियां मनुष्य एवं पर्यावरण स्वास्थ्य को चौपट कर रही है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को कहना पड़ा कि हमारी पृथ्वी एक तरह से जलवायु अराजकता की तरफ बढ़ रही है। उन्होंने यह चेतावनी भी दी कि इंसानी सभ्यता के सामने अब सिर्फ 'सहयोग करने या खत्म हो जाने' का विकल्प बचा है। विश्व के पर्यावरण पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है, उससे मुक्ति के लिये जागना होगा, संवेदनशील होना होगा। विश्व के शक्तिसम्पन्न राष्ट्रों को सहयोग के लिये कमर कसनी होगी तभी हम विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस को सार्थक सकेंगे।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

शुद्धता की चिंता

उत्तर प्रदेश सरकार ने खान-पान की शुद्धता सुनिश्चित करने और बढ़ती मिलावटखोरी व बदनीयती को नियंत्रित करने के इरादे से इस कारोबार से जुड़ी दुकानों व संस्थाओं के लिए जो नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं, वे स्वागत के योग्य हैं। इन दिशा-निर्देशों के मुताबिक, राज्य में खान-पान की दुकानों के बोर्ड पर न सिर्फ संचालक, मैनेजर को अपना नाम लिखना होगा, बल्कि होटलों, ढाबों और रेस्तरां में सीसीटीवी कैमरे भी लगाने होंगे और वहां काम करने वाले कर्मियों को मास्क पहनना होगा। सरकार ने संबंधित अधिकारियों को सूबे के सभी होटलों, ढाबों व रेस्तरां की नियमित जांच के आदेश दिए हैं। जाहिर है, स्वच्छता एक ऐसी अपेक्षा है, जिसके लिए शासकीय हस्तक्षेप की जरूरत ही नहीं पड़नी चाहिए थी, मगर दुर्योग से हम इस मामले में एक लापरवाह समाज रहे हैं और मुनाफाखोरी की बढ़ती प्रवृत्तियों ने इस लापरवाही को जानलेवा हद तक पहुंचाना शुरू कर दिया है। ऐसे में, राज्य सरकार के दिशा-निर्देश बिल्कुल मुनासिब हैं और ऐसी ही सजगता दूसरे राज्यों को भी दिखानी चाहिए। मगर विडंबना यह है कि ऐसे जरूरी कदम भी कई बार राजनीति से प्रेरित होकर उठाए जाते हैं या फिर उन्हें सियासी चश्मे से देखा जाता है। उत्तर प्रदेश सरकार ने यह कदम हाल ही में घटी कुछ ऐसी घटनाओं के मद्देनजर उठाया है, जिनमें खाने-पीने की चीजों में अखाद्य पदार्थों की मिलावट करते हुए वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुए थे और स्वाभाविक ही वे सामाजिक आक्रोश की वजह भी बने। फिर अभी चंद रोज पहले ही देश के सबसे प्रसिद्ध देवालयों में से एक तिरुपति बालाजी के प्रसाद में कथित रूप से पशु वसा की मिलावट की खबर ने पूरे देश को झकझोरकर रख दिया था। करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को इससे गहरी चोट लगी है। धार्मिक शुचिता और आस्था से परे नागरिक हितों से भी जुड़ा यह एक गंभीर प्रश्न है कि हम जो खा-पी रहे हैं, वह कितना शुद्ध है और जो लोग इस पेशे से जुड़े हैं, वे कितनी ईमानदारी से लोगों के स्वास्थ्य का ख्याल रखते हैं? देश में उपभोक्ता-हितों की रक्षा के लिए कठोर कानूनों की कोई कमी नहीं, मगर जमीनी स्तर पर उनके लागू न हो सकने के कारण ही स्थितियां बिगड़ी हैं, बल्कि कुछ दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों का दुस्साहस भी बढ़ा है। बहरहाल, इस प्रशासनिक सक्रियता का यह मतलब कतई नहीं होना चाहिए कि ये दिशा-निर्देश गरीब खोमचे वालों की आजीविका ही संकट में डाल दें। उत्तर प्रदेश ही नहीं, समूचे देश में ऐसे बहुत सारे लोग हैं, जो अपने घर की रसोई में खाने-पीने की चीजें तैयार कर सड़कों पर बेचा करते हैं। खोमचे के पीछे या सीने पर वे अपने नाम की पट्टी टांग भी लें, तब भी उनकी रसोई सीसीटीवी कैमरे की शर्त कैसे पूरी करेगी? और उन्हें इन शर्तों से रियायत मिली, तो उनके खाद्य पदार्थों की शुद्धता व गुणवत्ता की गारंटी तय करने का तरीका क्या होगा? उत्तर प्रदेश सरकार की इस अच्छी पहल को एक व्यावहारिक तंत्र की आवश्यकता है, जो जन-स्वास्थ्य व जन-विश्वास को कायम रखे, ताकि बड़े पैमाने पर असंगठित क्षेत्र के लोगों के रोजगार का भी संरक्षण हो सके। निस्संदेह, भारत में आर्थिक समृद्धि के विस्तार के साथ बाहर खाने की प्रवृत्ति बढ़ी है। पारंपरिक रूप से महिलाएं रसोई संभालती रही हैं, पर अब महिला कामगारों की बढ़ती संख्या को देखते हुए यह प्रवृत्ति सामाजिक जरूरत बनती जाएगी। लिहाजा हमें ऐसी संस्कृति विकसित करनी ही होगी, जिसमें बाहर खाना खाते हुए किसी किस्म की आशंका न रहे।

हरियाणा चुनाव में कांग्रेस के अति उत्साह के मायने क्या?

(लेखक - दिलीप कुमार पाठक)

हरियाणा में सभी 90 सीटों पर एक चरण में 5 अक्टूबर को मतदान होना है, जिसके नतीजे 8 अक्टूबर को आएंगे। 2019 के चुनाव के बाद बीजेपी और जेजेपी के गठबंधन ने सरकार बनाई थी। हरियाणा में पिछले एक दशक से बीजेपी की सरकार है, हालांकि इस बार बीजेपी के सामने इनकंबेंसी की भी बड़ी चुनौती है। वैसे भी अगर किसी दल की सरकार लगातार दो या उससे अधिक बार सत्ता में रहती है, तो वोटरों का रुझान उसकी तरफ थोड़ी कम होना स्वाभाविक है। वहीं भाजपा लोकसभा चुनाव के बाद थोड़ा बैकफुट पर दिखाई दे रही है।

बीजेपी और कांग्रेस ने लोकसभा चुनावों में हरियाणा की पांच-पांच सीटों पर जीत दर्ज की थी। लेकिन, बीजेपी ने 44 तो इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस ने 42 और आम आदमी ने चार सीटों पर बढ़त बनाई थी। बीजेपी की बढ़त वाली 17 विधानसभा सीटों, कांग्रेस की बढ़त वाली 13 सीटों और आम आदमी पार्टी की बढ़त वाली तीन सीटों पर हार-जीत का अंतर 10 प्रतिशत से कम रहा था। अब विधानसभा चुनावों में इन सीटों पर कांटे की टक्कर होना तय माना जा रहा है। लेकिन इन सीटों पर मतदाता का झुकाव जिस पार्टी की तरफ होगा, उसकी पूरी जीत की संभावना रहेगी। 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 6 सीटों पर एकतरफा जीत हासिल की थी। इसके बाद 2019 के विधानसभा चुनावों में इन 6 सीटों के अंतर्गत आने वाली 54 विधानसभा सीटों पर बीजेपी जीती थी। अब बात करें 2024 के लोकसभा चुनाव की तो बीजेपी सिर्फ करनाल सीट पर ही अपना प्रदर्शन दोहरा पाई है, जबकि भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सीट पर बीजेपी ने 6 और कांग्रेस ने तीन हलकों में लीड ली। कुछ ऐसा ही गुरुग्राम और फरीदाबाद सीट पर दिखाई दिया, यहां बीजेपी 6 और कांग्रेस ने 3 विधानसभा हलकों में लीड ली। इसके अलावा अंबाला सीट पर बीजेपी 4 और कांग्रेस 5, कुरुक्षेत्र में बीजेपी 5, इंडिया गठबंधन 4, सोनीपत में बीजेपी 5 और कांग्रेस 4, हिसार में बीजेपी 3 और कांग्रेस ने 6 विधानसभा हलको में लीड ली। 2019 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव के आंकड़े पर नजर डालें तो हार-जीत के अंतर में कमी आई है। लोकसभा चुनाव के नतीजों को अगर विधानसभाअनुसार देखें तो 30 सीटों पर हार जीत का अंतर सिर्फ 13.3 प्रतिशत वोटों का रहा, जो पिछले लोकसभा चुनाव में घटकर 3.8 प्रतिशत रह गया। 2019 के विधानसभा चुनाव में हार-जीत का अतंर 5 हजार से भी कम वोटों का रहा था. 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद से भाजपा की बेचैनी बढ़ गई है। नायाब सिंह सैनी को सीएम बनाए जाने के बाद अनिल विज भी असंतुष्ट हैं, हालांकि अनिल विज इससे पहले भी कई बार खुद सीएम बनने की महत्वाकांक्षी सोच जाहिर कर चुके है। भारतीय जनता पार्टी ने अंबाला कैंट विधानसभा सीट से 71 वर्षीय अनिल विज को उम्मीदवार बनाया है। वो इस सीट से छह बार से विधायक रह चुके हैं। हालांकि, इस बार विधायक बनने की राह उनके लिए पहले जैसी आसान नहीं होगी। दरअसल, कांग्रेस ने कुमारी शैलजा के करीबी पूर्व पार्षद परविंदर सिंह परी को टिकट दिया है। आप ने राज कौर गिल को टिकट देकर आधी आबादी को साधने की कोशिश की है। वहीं, इनेलो-बसपा गठबंधन से ओंकार सिंह, जजपा-असपा गठबंधन से करधान मैदान में हैं। पूर्व कांग्रेस नेता चित्रा सरवारा ने इस विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार को रूप में ताल ठोका है। वह पिछली बार दूसरे स्थान पर थीं। अभी कुछ महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव के नतीजों का असर हरियाणा विधानसभा चुनावों में भी देखने को मिलेगा। लोकसभा चुनाव में जिन 33 सीटों पर हार-जीत का अंतर काफी कम रहा था, वो सीटें ही अब विधानसभा चुनाव में निर्णायक साबित होने वाली हैं. 2014 - 2019 लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की एकतरफ़ा हार हुई थी, हालांकि इस बार लोकसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के हौसले बुलंद दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस की अपनी अंदरुनी चुनौतियां हैं, जिनसे निपटना आसान नहीं होगा। वैसे भी कांग्रेस पिछले कुछ सालों से कई राज्यों के चुनाव अंदरुनी गुटबाजी के कारण हार गई है। ऐसे ही हरियाणा में कहीं भूपेंद्र हुड्डा का ग्रुप है तो कहीं कुमारी शैलजा का ग्रुप है, तो कहीं रणदीप सिंह सुरजेवाला का ग्रुप दिखाई देता है। किसी भी राजनीतिक पार्टी के लिए अंदरूनी गुटबाजी चुनाव के दौरान शुभ नहीं होती। वैसे भी एमपी कांग्रेस की गुटबाजी, संगठन का घमंड जनता भूली नहीं है। कांग्रेस की खामी यही है कि हमेशा चुनाव के एन वक़्त पर कांग्रेस नेताओ की महत्वाकांक्षा आड़े आने लगती है। यही पक्ष कांग्रेस का सबसे कमजोर है।

हरियाणा में कांग्रेस इतनी ज़्यादा अति उत्साहित है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने चार डिप्टी सीएम बनाने का दावा ठोंक दिया है। हरियाणा में बिना सीएम उम्मीदवार का ऐलान किए लड़ रही कांग्रेस में कई नेता डिप्टी सीएम बनने का दावा ठोंक रहे हैं। भूपेंद्र हुड्डा का कहना है कि चार अलग - अलग जाति के उपमुख्यमंत्री बनाए जाएंगे। तो कई विधायक नौकरी देने का एलान कर रहे हैं। एक विधायक तो कह रहे हैं कि मैं बाहरी हूं मैं मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहता, लेकिन उपमुख्यमंत्री बनकर संतुष्ट हो जाऊँगा, मुख्यंत्री तो हुड्डा साहब ही ठीक हैं, ऐसे लगता है जैसे कांग्रेस के नेताओं ने चुनाव जीत लिया है, हालांकि कांग्रेस आलाकमान का अभी कोई निर्णय नहीं आया है कि सीएम और डिप्टी सीएम कौन होगा ! हालांकि हरियाणा में पिछले कुछ सालों में बहुत कुछ घटित हुआ है। दुष्यंत चौटाला ने भाजपा से समर्थन वापस ले लिया था, नए नायाब सैनी को सीएम बनाना.। अनिल विज का असंतुष्ट होना। विनेश फोगाट का कांग्रेस जॉइन करना...बीजेपी का लोकसभा चुनाव में अपने दम पर सरकार न बना पाना.। आदि आदि.। कांग्रेस के लिए खुशखबरी लेकर आया है। जो सत्ताधारी भाजपा के लिहाज से सही नहीं कहा जा सकता। एक तो कांग्रेस को एक दशक बाद हरियाणा में चुनाव जीतने की खुशबू आ रही है, जिससे कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में अति उत्साह भी देखा जा सकता है। इसी अति उत्साह के साथ ही राहुल गांधी - प्रियंका गांधी भी दिख रहे हैं, जो अभी तक हरियाणा चुनाव में उतने सक्रिय नहीं हैं जितना सक्रिय होना चाहिए था। राहुल - प्रियंका की गैर मौजूदगी भी कांग्रेस के लिए घाटे का सबब बन सकती है। और यह भी सही है कि चुनाव भी अंतिम दिन तक अपनी सूरत बदलता रहता है।

(चिंतन-मनन)

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है! आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे। चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता तो ऊब जाते। महावीर भी चालीस साल जिंदा रहे ज्ञान के बाद। निरंतर उसी ज्ञान में रमे रहे, कभी ऊबे नहीं! कभी चाहा नहीं कि कुछ और मिल जाए। परमात्मा की यात्रा पर प्राप्ति के बाद कोई ऊब नहीं है। इसलिए कृष्ण कहते हैं कि बिना ऊबे श्रम करना कर्त्तव्य है, करने योग्य है। अर्जुन कैसे माने और क्यों माने? अर्जुन तो जब प्रयास करेगा, तो ऊबेगा, थकेगा। कृष्ण कहते हैं, इसलिए धर्म में ट्रस्ट का, भरोसे का एक कीमती मूल्य है। श्रद्धा का अर्थ होता है, ट्रस्ट। उसका अर्थ होता है, कोई कह रहा है। अर्जुन भलीभांति कृष्ण को जानता है। कृष्ण को भी विचलित नहीं देखा है। कृष्ण को उदास नहीं देखा है। कृष्ण की बांसुरी से कभी दुख का स्वर निकलते नहीं देखा है। कृष्ण सदा ताजे हैं।

विचार मंथन

सरकारी बही खातों में पिछले 6 सालों में घटी बेरोजगारी, म.प्र.में सबसे कम बेरोजगार

(लेखक - सनत जैन)

सरकार के पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे का आंकड़ा प्रकाशित हुआ है। इस रिपोर्ट के अनुसार 28 राज्यों में गोवा में सबसे ज्यादा 8.5 फ़ीसदी बेरोजगारी है। वहीं मध्य प्रदेश में सबसे कम एक फ़ीसदी से भी कम बेरोजगारी है। हरियाणा विधानसभा चुनाव के ठीक 11 दिन पहले यह रिपोर्ट जारी की गई है। हरियाणा के विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा बेरोजगारी होने की बात विप क्षियों द्वारा कही जा रही है, जो इस रिपोर्ट ने गलत साबित कर दी है। सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है, पंजाब में वर्ष 2023-24 में 5.5 फ़ीसदी, राजस्थान में 4.2 फ़ीसदी, हरियाणा में 3.4 फ़ीसदी, महाराष्ट्र में 3.3 फ़ीसदी, उत्तर प्रदेश में 3.0 फ़ीसदी, बिहार में 3.0 फ़ीसदी, छत्तीसगढ़ में 2.5 फ़ीसदी, दिल्ली में 2.1 फ़ीसदी, झारखंड में 1.3 फ़ीसदी, गुजरात में 1.1 फ़ीसदी और मध्यप्रदेश में मात्र 0.9 फ़ीसदी बेरोजगारी के आंकड़े सामने आए हैं। लेबर फोर्स की सर्वे रिपोर्ट में 3.2 फ़ीसदी की औसत बेरोजगारी देश में है। सर्वे रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2017-18 में यह बेरोजगारी दर 6.1 फीसदी थी। 2022-23 में 3.2 फ़ीसदी थी। वर्ष 2023-24 में भी 3.2 फ़ीसदी औसत बेरोजगारी की दर रही है। सरकार महंगाई एवं बेरोजगारी के मामले में विपक्ष के आरोपों को नकारती आ रही है। सरकार का मानना है, महंगाई और बेरोजगारी पहले की तुलना में कम हुई है। बेरोजगारी की हालत में लगातार सुधार हुआ है। विपक्षी दल जनता को गुमराह कर रहे हैं लेबर फोर्स सर्वे रिपोर्ट में सबसे ज्यादा बेरोजगारी राजस्थान और छत्तीसगढ़ राज्य में घटी है। दिल्ली में भी 7.6 फ़ीसदी बेरोजगारी कम हुई है। इस सर्वे रिपोर्ट को तीन वर्गों में बांटा गया है। एक वर्ग स्वरोजगार दूसरा वर्ग नौकरी पैसा और तीसरा दिहाड़ी मजदूरों का है। स्वरोजगार के मामले में यूपी में सबसे ज्यादा स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध हुए हैं। नौकरी पैशा के क्षेत्र में दिल्ली का नंबर सबसे उपर है। दिहाड़ी मजदूरों की बात करें, तो बिहार का नंबर सबसे ऊपर है। बहरहाल सरकार की रिपोर्ट में जो जानकारी दी गई है। उससे ऐसा लगता है कि भारत में बेरोजगारी कोई समस्या नहीं है। पढ़े-लिखे युवा जिस तरीके से करोड़ों की तादाद में बेरोजगार रहते हुए यहां से वहां नौकरी के लिए भटक रहे हैं। मजदूरों का पलायान एक राज्य से दूसरे राज्यों में हो रहा है। चपरासी की नौकरी के लिए लाखों आवेदन प्रस्तुत हो जाते हैं। बहुत बड़ी युवा आबादी काम की तलाश में यहां से वहां भटक रही है। सरकार के जो आंकड़े आए हैं, सरकार को उनकी एजेंसियों द्वारा जो आंकड़े प्रस्तुत किए जा रहे हैं, उसमें स्पष्ट रूप से सरकार को जो बताया जा रहा है, उसमें और वास्तविकता में साफ अंतर नजर आ रहा है। विपक्षी दलों द्वारा जो बात कही जा रही है। जनता उसे मान रही है तो, इसका मतलब है कि सरकार के पास या तो सही जानकारी नहीं है या सरकार जानते हुए भी अनजान बनी रहना चाहती है। हरियाणा और जम्मू कश्मीर के विधानसभा चुनाव चल रहे हैं। महाराष्ट्र, झारखंड और दिल्ली में अगले कुछ महीनो में चुनाव होने वाले हैं। बेरोजगारी जैसे मसले पर यदि सरकार अपनी एजेंसियों के भरोसे और विश्वास करती रही। इससे भारतीय जनता पार्टी को भारी नुकसान होना तय माना जा रहा है। सरकार अपनी विफलता को छुपाने के लिए जिस तरह से कृत्रिम आंकड़ों का सहारा ले रही है। उससे सरकार को नुकसान होना तय है। हाल ही में जो रिपोर्ट प्रकाशित की गई है, वह बेरोजगारों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसी है। इस रिपोर्ट से सरकार के खिलाफ नाराजी और भी बढ़ेगी। नवीन रिपोर्ट से बेरोजगारों का गुस्सा बढ़ना तय है। यही कहा जा सकता सरकार जो कहती है, उसे सही मानना सभी की विवशता है। सरकार की कही हुई बातों को असत्य नहीं माना जा सकता है। सरकार वस्तिविकता को जिस तरह से अनदेखी कर रही है उसके प रिणाम सरकार और भाजपा के लिये बेहतर नहीं होंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ ही 83.61 रुपये पर बंद हुआ। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों में डॉलर के कमजोर रुख के बीच शुरुआती कारोबार में रुपया 10 पैसे मजबूत होकर 83.53 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.59 प्रति डॉलर पर खुला और फिर 83.54 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की बढ़त` दिखाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.63 पर बंद हुआ था। इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 फीसदी गिरावट के साथ 100.25 पर रहा।

हितधारकों की शिकायतों के समाधान के लिए एक विशेष दल गठित

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने एमसीए21 मंच से संबंधित हितधारकों की शिकायतों के समाधान के लिए एक विशेष दल का गठन किया है। एमसीए21 मंच कंपनियों और सीमित देयता भागीदारी कानूनों के तहत विभिन्न फाइलिंग प्रस्तुत करने का एक प्रमुख मंच है। मंच का उपयोग करने में हितधारकों को कुछ समस्याएं आती हैं। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने मंच के संबंध में कहा कि उसके पास ईमेल, हेल्पडेस्क प्रणाली, टिकटिंग टूल, चैटबॉट और सोशल मीडिया मंच के जरिये हितधारकों द्वारा उठाई गई चिंताओं के लिए नियमित समीक्षा प्रणाली है। पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा गया` कि तात्कालिक प्रकृति के मुद्दों के समाधान के लिए एक और कदम उठाते हुए विशेष दल का गठन किया गया है, जो शिकायतों के कुशल निपटान पर गौर करेगी। यदि आवश्यक हुआ तो प्रणालीगत समाधान सुझाएगी तथा हितधारकों को एमसीए21 मंच पर उनके अनुपालन के लिए बेहतर मार्गदर्शन प्रदान करेगी। कानून के तहत, कंपनियों और एलएलपी को आने वाले महीनों में मंत्रालय को 2023-24 की वार्षिक फाइलिंग प्रस्तुत करनी होगी। देश में 17 लाख से अधिक सक्रिय कंपनियां हैं। मंच, कंपनी अधिनियम और सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी) अधिनियम के तहत विभिन्न दस्तावेजों की इलेक्ट्रॉनिक फाइलिंग की अनुमति देता है। इन दोनों कानूनों को मंत्रालय द्वारा लागू किया जाता है।

एडीबी ने भारत की वृद्धि दर का अनुमान सात फीसदी पर बरकरार रखा

नई दिल्ली । एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के वृद्धि अनुमान को सात प्रतिशत पर बरकरार रखा। एडीबी ने कहा कि बेहतर कृषि उत्पादन तथा उच्च सरकारी व्यय से आने वाली तिमाहियों में अर्थव्यवस्था में तेजी आने की उम्मीद है। सितंबर के अपने एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) में एडीबी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात पहले के अनुमान से अधिक रहेगा, जिसका श्रेय सेवाओं के निर्यात में वृद्धि को जाता है। हालांकि, अगले वित्त वर्ष 2025-26 में वस्तु निर्यात वृद्धि अपेक्षाकृत धीमी रहेगी। एडीबी ने कहा` कि वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी वृद्धि सात प्रतिशत और वित्त वर्ष 2025-26 में 7.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। दोनों ही एडीओ अप्रैल 2024 के पूर्वानुमान के बराबर हैं। साथ ही भारत की वृद्धि संभावनाएं मजबूत बनी हुई हैं। भारतीय अर्थव्यवस्था` पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान लगाया है। इसमें कहा गया` कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही अप्रैल-जून में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि धीमी होकर 6.7 प्रतिशत हो गई, लेकिन कृषि में सुधार तथा उद्योग व सेवाओं के लिए काफी हद तक मजबूत परिदृश्य से आने वाली तिमाहियों में इसमें तेजी आने की उम्मीद है। निजी उपभोग में सुधार होने की उम्मीद है। इसकी प्रमुख वजह मजबूत कृषि से प्रेरित ग्रामीण मांग तथा पहले से ही मजबूत शहरी मांग रहेगी।

एयरटेल ने स्पैम पर कसी नकेल,

स्पैम का पता लगाने के लिए लॉन्च किया भारत का पहला एआई-संचालित नेटवर्क समाधान

एआई संचालित समाधान वास्तविक समय के आधार पर दस खरब रिकॉर्ड को संसाधित करता है, हर दिन 10 करोड स्पैम कॉल और 30 लाख एसएमएस की करता है पहचान

नई दिल्ली ।

देश में स्पैम की समस्या पर अंकुश लगाने के लिए एक अग्रणी कदम उठाते हुए, भारती एयरटेल ('एयरटेल') ने भारत का पहला नेटवर्क-आधारित, एआई-संचालित स्पैम डिटेक्शन समाधान लॉन्च किया, जो इसके ग्राहकों के लिए स्पैम कॉल और संदेशों की समस्या का काफी हद तक समाधान कर देगा। देश में किसी दूरसंचार सेवा प्रदाता द्वारा अपनी तरह का यह पहला समाधान, ग्राहकों को सभी संदिग्ध स्पैम कॉल और एसएमएस के बारे में वास्तविक समय में सचेत कर देगा। यह समाधान निःशुल्क है और सभी एयरटेल ग्राहकों के लिए बिना किसी अनुरोध या ऐप डाउनलोड किए स्वयं सक्रिय हो जाएगा।

गोपाल विट्टल, प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भारती एयरटेल ने कहा, 'स्पैम ग्राहकों के लिए एक खतरा बन गया है। हमने इस समस्या को हल करने के लिए पिछले बारह महीनों में काफी काम किया हैं। आज उठाया जा रहा है यह कदम एक मील का पत्थर साबित होगा क्योंकि हम देश का पहला एआई-संचालित स्पैम मुक्त नेटवर्क लॉन्च कर रहे हैं जो हमारे ग्राहकों को घुसपैठ और अवांछित संचार के निरंतर हमले से बचाएगा।'

उन्होंने आगे कहा, दोहरी परत वाली सुरक्षा के रूप में डिज़ाइन किए गए इस समाधान में दो स्तरीय फ़िल्टर हैं - पहला नेटवर्क स्तर पर और दूसरा आईटी सिस्टम स्तर पर। हर कॉल और एसएमएस इस दोहरी परत वाली एआई शील्ड से होकर गुज़रता है। दो मिलीसेकंड में हमारा समाधान हर दिन 150 करोड मैसेज और 250 करोड कॉल प्रोसेस करता है। यह एआई की शक्ति का उपयोग करके वास्तविक समय के आधार पर 10 खरब रिकॉर्ड को प्रोसेस करने के बराबर है। हमारा समाधान हर दिन आने वाले 10 करोड संभावित स्पैम कॉल और 30 लाख स्पैम एसएमएस की सफलतापूर्वक पहचान करने में सक्षम है। हमारे लिए, अपने ग्राहकों को सुरक्षित रखना एक सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एयरटेल के डेटा वैज्ञानिकों द्वारा इन-हाउस विकसित, एआई-संचालित समाधान कॉल और एसएमएस को संदिग्ध स्पैम के रूप में पहचानने और वर्गीकृत करने के लिए एक मालिकाना एल्गोरिदम का उपयोग करता है। अत्याधुनिक एआई एल्गोरिदम द्वारा संचालित नेटवर्क वास्तविक समय के आधार पर कॉल करने वाले या भेजने वाले के उपयोग पैटर्न, कॉल/एसएमएस आवृत्ति, कॉल अवधि जैसे कई अन्य मापदंडों का विश्लेषण करता है। ज्ञात स्पैम पैटर्न के विरुद्ध इस जानकारी को क्रॉस-रेफ़रेंस करके, सिस्टम संदिग्ध स्पैम कॉल और एसएमएस को सटीक रूप से चिह्नित करता है। इसके अतिरिक्त, यह समाधान ग्राहकों को एसएमएस के माध्यम से प्राप्त दुर्भावनापूर्ण लिंक के बारे में भी सचेत करता है। इसके लिए, एयरटेल ने ब्लैकलिस्ट किए गए यूआरएल का एक केंद्रीकृत डेटाबेस बनाया है और हर एसएमएस को वास्तविक समय में अत्याधुनिक एआई एल्गोरिदम द्वारा स्कैन किया जाता है ताकि उपयोगकर्ताओं को संदिग्ध लिंक पर गलती से क्लिक करने से सावधान किया जा सके।

केंद्रीय मंत्री ने की घोषणा, यूपी में जल्द लगेगा सेमीकंडक्टर प्लांट

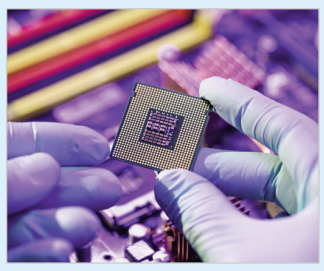

नई दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने घोषणा की है कि उत्तर प्रदेश में जल्द ही सेमीकंडक्टर मैन्यूफैक्चरिंग फैक्ट्री स्थो पित की जाएगी। राज्य ने इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है। यह जानकारी उन्होंने इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईएसीसी) के शिखर सम्मेलन में दी। केंद्रीय मंत्री प्रसाद ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के शीर्ष राज्यों में से एक होगा, जो सेमीकंडक्टर उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और इसे भारत का ग्रोथ इंजन माना जाएगा। मंत्री ने उल्लेख किया कि उत्तर प्रदेश में सेमीकंडक्टर संयंत्र पर जल्द काम शुरू किया जाएगा और यह राज्य उन गिन-चुने स्थानों में शामिल होगा, जहां सेमीकंडक्टर की फैक्ट्रियां स्थापित होंगी। भारत और अमेरिका ने हाल ही में सेमीकंडक्टर फैक्ट्री स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की है, जिससे भारत में इस उद्योग का विकास होगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के साथ चिप निर्माण के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं, जो टेक्नोलॉजी के विकास और उसके उपयोग पर जोर देता है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर भारत को डिजिटल इंडिया बनाने के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए काफी अहम है। सरकार की योजना है कि टेक्नोलॉजी का फायदा दूर-दराज के गांवों तक पहुंचे, जिससे डिजिटल डिवाइड कम हो सके। सेमीकंडक्टर विकास के लिए सहयोग और साझेदारी महत्वपूर्ण है और भारत-अमेरिका संबंध का दूरगामी प्रभाव दिखाई देगा।

शेयर बाजार रिकार्ड तेजी के साथ बंद , सेंसेक्स 85,170 के शीर्ष स्तर पर पहुंचा

निफ्टी 25,939 पर पहुंचा

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को ऐतिहासिक तेजी पर बंद हुआ। दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से बाजार में ये तेजी आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 255.83 अंक करीब 0.30 फीसदी की बढ़त लेकर 85,169.87 के उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। आज सुबह मुनाफावसूली से बाजार नीचे आया था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 63.75 अंक तकरीबन 0.25 फीसदी ऊपर आकर 25,939.05 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी शुरुआती कारोबार में 48.7 अंक नीचे आया था।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 20 शेयर लाभ पर बंद हुए। पावर ग्रिड, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, बजाज फिनसर्व और बजाज फाइनैंस सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयर रहे। इसके अलावा, टाटा स्टील, एचडीएफसीस बैंक, एमएंडएम, आईटीसीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, नेस्ले इंडिया, रिलायंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, सन फार्मा, इंफोसिस, एलएंडटी, टीसीएसइ और मारुति, के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए/ दूसरी ओर सेंसेक्स के 10 शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। इसमें टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टाइटन, कोटक बैंक और एसबीआई जैसे शेयर रहे। जेएसडब्लयू स्टील, इंडसइंड बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एशियन पेंट्स और एचयूएल के शेयर भी गिरे हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई।

शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 148.49 अंक नीचे आकर 84,765 पर खिसक गया। वहीं निफ्टी 50 43 अंक फिसलकर 25,897 पर कारोबार करता नजर आया। वहीं गत दिवस बाजार सपाट बंद हुआ था। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशिया-प्रशांत बाजार बुधवार सुबह ज्यादातर स्थिर रहे परहांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स के फ्यूचर्स में 4 फीसदी बढ़त की संभावना है। ट्रेडिंग शुरू होने पर एचएसआई फ्यूचर्स 19,763 पर दिखा, जबकि पिछला बंद 19,000 पर हुआ था। जापान में निक्केई 225 में हल्की गिरावट आई। वहीं टॉपिक्स 0.3 फीसदी बढ़ा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी 0.4 फीसदी ऊपर रहा। साथ ही, स्मॉल-कैप कोस्डैक 0.43 फीसदी बढ़ा। वॉल स्ट्रीट पर मंगलवार को एसएंडपी 500 ने नया रिकॉर्ड बनाया। यह 0.25 फीसदी बढ़कर 5,732.93 पर पहुंच गया। ब्लू-चिप डाओ जोंस भी 0.2 फीसदी बढ़कर 42,208.22 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ।

पीसी ज्वेलर्स लिमिटेड बोर्ड 30 सितंबर को स्टॉक स्प्लिट पर करेगा विचार

नई दिल्ली ।

पीसी ज्वेलर्स लिमिटेड भारत की अग्रणी और सबसे तेजी से बढ़ती ज्वेलरी रिटेल चेन में से एक, ने घोषणा की है कि कंपनी का बोर्ड 30 सितंबर को एक बैठक करेगा, जिसमें मौजूदा 10 रुपये अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों के उप-विभाजन / विभाजन पर विचार किया जाएगा। इस संबंध में अंतिम निर्णय बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स द्वारा लिया जाएगा, और इसके आधार पर कंपनी के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन में आवश्यक परिवर्तन किए जाएंगे। हाल ही में, कंपनी ने घोषणा की थी कि कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड ने कंपनी द्वारा प्रस्तुत वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। कंपनी ने बकाया देनदारियों को निपटाने के लिए ओटीएस का विकल्प चुना था। अनुमोदित ओटीएस की शर्तों में नकद और इक्विटी घटक, बंधक संपत्तियों और प्रतिभूतियों की रिलीज़ शामिल है। इसके अलावा, कंपनी ने यह भी सूचित किया कि 6 सितंबर, 2024 को उसे आयकर विभाग से 67.54 करोड़ रुपये की धनवापसी प्राप्त हुई। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में एक उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है, जहां उसने ग्राहकों का विश्वास और सद्भावना फिर से हासिल की है। इससे उसकी टॉपलाइन और मुनाफे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (लीड बैंक) ने भी दिल्ली के माननीय एनसीएलटी के समक्ष दायर कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) को वापस लेने के लिए आवेदन किया था। यह याचिका माननीय

एनसीएलटी, दिल्ली द्वारा 30 अप्रैल, 2024 को खारिज कर दी गई थी। कंपनी को विश्वास है कि उसकी कानूनी परेशानियां जल्द ही समाप्त हो जाएंगी और अब वह विकास और मुनाफे के मार्ग पर अग्रसर है। पूर्व में, कंपनी ने 2705 करोड़ रुपये तक की निधि जुटाने की घोषणा की थी, जिसमें 56.20 रुपये प्रति वारंट के निर्गम मूल्य पर पूरी तरह से परिवर्तनीय वारंट का वरीय निर्गम शामिल था, जो आईसीडीआर विनियमों के अनुसार है।

हुंदै मोटर को आईपीओ लाने के लिए सेबी से मिली मंजूरी

नई दिल्ली । दक्षिण कोरियाई वाहन विनिर्माता हुंदै की भारतीय शाखा हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी की मंजूरी मिल गई है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बुधवार को बताया कि कंपनी को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से आईपीओ लानी की मंजुरी मिल गई है। आईपीओ दस्तावेज जून में दाखिल किए गए थे। इसके अनुसार आईपीओ पूरी तरह से प्रवर्तक हुंदै मोटर कंपनी द्वारा 142,194,700 शेयर बिक्री पेशकश (ओएफएस) है। दक्षिण कोरिया मूल की कंपनी बिक्री पेशकश के जरिये अपनी कुछ हिस्सेदारी बेच रही है। हुंदै मोटर इंडिया ने भारत में 1996 में परिचालन शुरू किया और वर्तमान में विभिन्न खंडों में 13 मॉडल की बिक्री करती है। जापान की वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी के 2003 में सूचीबद्ध होने के बाद दो दशकों में पहली बार कोई वाहन विनिर्माता कंपनी आईपीओ ला रही है।

भारतीय शेयर बाजार में एआई बॉट्स से ट्रेडिंग कर विदेशी निवेशकों ने कमाए 59000 करोड़

घरेलू निवेशकों को 61000 करोड़ का नुकसान

मुंबई ।

भारत के घरेलू शेयर बाजार में एआई बॉट्स का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में सेबी द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में वायदा बाजार (फ्यूचर एंड ऑप्शंस) में एल्गोरिदम ट्रेडिंग की मदद से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और प्रोप्राइटरी ट्रेडर्स ने 59,000 करोड़ रुपये की कमाई की है। इसके विपरीत, घरेलू निवेशक, जो नई तकनीकी से अनजान हैं। उन्हें 61,000 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा है। सेबी की रिपोर्ट के अनुसार, प्रोप्राइटरी ट्रेडर्स ने 32,000 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया। एफआईआई ने 26,840 करोड़ रुपये की कमाई भारतीय शेयर बाजार से की है। एल्गोरिदम ट्रेडिंग एक कंप्यूटर प्रोग्रामिंग प्रक्रिया है।

जिसमें मशीन लर्निंग और फाइनेंशियल मार्केट के डेटा का उपयोग कर जानकारी उपलब्ध कराती है।इसमें इंसानी भावनाओं और ज्ञान का कोई महत्व नहीं होता है। नवीन तकनीकी में ट्रेडिंग उपलब्ध डाटा के आधार पर ऑटोमैटिक होती है। इसके विपरीत, आम निवेशक अभी भी अपनी समझ के अनुसार ट्रेडिंग करते हैं। उन्हें पिछले डेटा से संबंधित कोई जानकारी नहीं होती है। गलतियों की संभावना अधिक होती है। रिपोर्ट में एफआईआई के 97त्न और प्रॉप ट्रेडर्स के 96त्न मुनाफे का कारण एल्गोरिदम ट्रेडिंग के कारण हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार बड़े संस्थान आमतौर पर 1-2त्न रिटर्न के लिए वायदा ट्रेडिंग करते हैं। उनके ऑर्डर करोड़ों के होते हैं। जिससे 1त्न रिटर्न भी लाखों रुपए के मुनाफे में बदल जाता है। वह लालच में नहीं पड़ते हैं। इसके चलते वह सही समय पर मुनाफा कमा कर बाहर निकल जाते है। वह जोखिम नही उठाते हैं। वायदा कारोबार में पिछले पांच वर्षों में 40 गुना की वृद्धि हुई है। फरवरी में एफएंडओ का टर्नओवर 502 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। जो देश की पूरी अर्थव्यवस्था से अधिक है।

जीएसटी अधिकारियों ने करीब 10,700 फर्जी कंपनियों का पता लगाया

फर्जी कंपनियों ने 10,179 करोड़ रुपये कर चोरी की

नई दिल्ली । फर्जी पंजीकरण के खिलाफ जीएसटी अधिकारियों की ओर से देशभर में चलाए जा रहे अभियान में करीब 10,700 फर्जी कंपनियों का पता लगाया है, जिन्होंने 10,179 करोड़ रुपये की कर चोरी की है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के सदस्य शशांक प्रिय ने मंगलवार को कहा, फर्जी पंजीकरण के खिलाफ 16 अगस्त से शुरू हुआ दूसरा अखिल भारतीय अभियान 15 अक्तूबर तक चलेगा। इस अभियान में कर अधिकारियों ने 67,970 जीएसटीआईएन (माल एवं सेवा कर पहचान संख्या) की पहचान की है।

इनमें से 59 फीसदी या 39,965 जीएसटीआईएन का सत्यापन 22 सितंबर तक हो चुका है।सीबीआईसी सदस्य ने कहा, इनमें 27 फीसदी ऐसी कंपनियां पाई गई हैं, जो अस्तित्व में ही नहीं हैं। फीसदी के लिहाज से यह संख्या पिछले अभियान की तुलना में करीब समान है। उन्होंने बताया, फर्जी पंजीकरण के खिलाफ पहला अभियान 16 मई से 15 जुलाई, 2023 के बीच चलाया गया था। इसमें जीएसटी पंजीकरण वाली कुल 21,791 ऐसी कंपनियां पाई गई थीं, जो अस्तित्व में नहीं थीं। इस अभियान में 24,010 करोड़ रुपये की संदिग्ध कर चोरी पकड़ी गई थी।एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) के कार्यक्रम में शशांक प्रिय ने कहा, दूसरे अभियान में 2,994 करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) को रोका गया है। साथ ही, 28 करोड़ रुपये की वसूली भी की गई है। उन्होंने कहा, जीएसटी व्यवस्था में बेमेल आंकड़ों की समस्या है। इस कारण 2023-24 में कर अधिकारियों ने 1,12,852 कारण बताओ नोटिस जारी किए थे।

जीडीपी आंकड़े जारी करने में होने वाली देरी कम की जानी चाहिए: अर्थशास्त्री

नई दिल्ली । अर्थशास्त्रियों ने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) जैसे वृहद आर्थिक आंकड़ों को जारी करने में लगने वाले समय को कम करने का सुझाव दिया है, क्योंकि यह निवेश, कारोबार तथा नीतिगत निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण कारक है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अधिकारियों ने मुंबई में जीडीपी तथा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) के पूर्वानुमानकर्ताओं और अर्थशास्त्रियों के साथ बैठक की। इसमें प्रमुख समष्टि आर्थिक आंकड़ों को और अधिक मजबूत बनाने के लिए उनके सुझाव मांगे। ईएसी-पीएम के सदस्य और कोटक महिंद्रा एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड के एक अे धिकारी ने सुझाव दिया कि सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय को आंकड़ों की सटीकता सुनिश्चित करने तथा आंकड़ों को जारी करने में लगने वाले समय में कमी लाने के लिए सुधार के रास्ते तलाशने चाहिए। इसी तरह की ही राय व्यक्त करते हुए आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ ने बेहतर स्पष्टता, निवेश, कारोबार और नीतिगत निर्णयों के लिए समय पर और सुसंगत आंकड़े उपलब्ध कराने का सुझाव दिया। उन्होंने बेहतर आंकड़ा प्रबंधन के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल पर जोर दिया। मंत्रालय ने कहा` कि जीडीपी आंकड़े जारी करने में होने वाले विलंब को कम किया जा सकता है। इन सूचकांकों के जारी होने के समय में बदलाव किया जा सकता है, ताकि उपयोगकर्ताओं को उसी दिन विश्लेषण के लिए पर्याप्त समय मिल सके। इस खुली चर्चा में पूर्वानुमानकर्ताओं और अर्थशास्त्रियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया।

एलएंडटी को 15,000 करोड़ तक के ऑर्डर मिले

नई दिल्ली ।

इंजीनियरिंग क्षेत्र के समूह लार्सन एंड टुब्रो (एलऐंडटी) ने कहा कि उसे पश्चिम एशिया में बिजली पारेषण और वितरण कारोबार के लिए 10,000 से 15,000 करोड़ रुपये तक के नए ऑर्डर हो सिल हुए हैं। एक विज्ञप्ति में कंपनी ने कहा कि उसके पावर ट्रांसमिशन ऐंड डिस्ट्रीब्यूशन (पीटीऐंडडी) कारोबार को पश्चिम एशिया में उच्च वोल्टेज स्तर पर बिजली ग्रिडों के विस्तार और मजबूत बनाने के लिए ये ऑर्डर मिले हैं। ये ऑर्डर सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में हासिल किए गए हैं, जो इन इंटरकनेक्शन से जुड़े 500 केवी एचवीडीसी ट्रांसमिशन लिंक, सऊदी अरब में दो 380 केवी ओवर-हेड ट्रांसमिशन लाइन और एक बल्क सप्लाई 380 केवी गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन तथा यूएई में दो प्रमुख 400 केवी गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन से जुड़े हैं। जून तक एलऐंडटी के पास 4.90 लाख करोड़ रुपये की बकाया ऑर्डरबुक थी। इसमें से 35 प्रतिशत ऑर्डर पश्चिम एशिया से थे। एलऐंडटी के अधिकारियों ने पहले बताया था कि पश्चिम एशिया में उसकी गतिविधियों के महत्वपूर्ण भाग में सऊदी अरब के ऑर्डर शामिल हैं। महीने की शुरुआत में एलऐंडटी ने कहा था कि उसने अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स श्रेणी के भीतर अपने पावर ट्रांसमिशन एंड डिस्ट्रीब्यूशन (टीऐंडडी) कारोबार से रिन्यूएबल ईपीसी के लिए एक अलग कारोबारी क्षेत्र बनाया है। एलऐंडटी के एक वरिष्ठ अधिकारी

ने कहा कि पारेषण प्रणालियों का सुदृढ़ीकरण और आधुनिकीकरण सुरक्षित, मजूबत ग्रिड स्थापित करने में सबसे महत्वपूर्ण कदम होता है, जो उभरते ऊर्जा बाजार में परिवर्तनीय अक्षय उत्पादन को संभालने में सक्षम होता है।

आईसीसी रैंकिंग : शतक से हुआ फायदा, ऋषभ पंत की लम्बे समय बाद टॉप 10 में वापसी

दुबई (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने लंबे अंतराल के बाद टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में फिर से प्रवेश किया है। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में सभी प्रारूपों में बदलाव किया गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के रोमांचक सप्ताह के बाद दुनिया के कई शीर्ष खिलाड़ियों की टेस्ट और वनडे रैंकिंग में महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिले हैं।

चेन्नई में बांग्लादेश पर भारत की दूसरी पारी में पंत के शानदार प्रदर्शन ने उन्हें टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंचा दिया जिससे उन्हें 731 रेटिंग अंक मिले। विकेटकीपर बल्लेबाज ने हमवतन यशस्वी जायसवाल के साथ मिलकर 751 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर जगह बनाई। पंत ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरी पारी में शतक लगाया था। इस बीच भारतीय कप्तान रोहित शर्मा पांच पायदान नीचे खिसकने के बावजूद शीर्ष 10 में बने हुए हैं, अब वे बांग्लादेश के खिलाफ दोनों पारियों में 10 से कम रन बनाने के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद 716 अंकों के साथ दसवें स्थान पर हैं।

गेंदबाजी विभाग में श्रीलंका के प्रभात जयसूर्या ने गॉल में शानदार प्रदर्शन से ध्यान आकर्षित किया। जयसूर्या ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 9 विकेट लिए, जिससे वे 743 रेटिंग अंकों के साथ टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में पांच पायदान ऊपर चढ़कर आठवें स्थान पर पहुंच गए। हालांकि श्रीलंका के ही असिथा फर्नांडो 13वें स्थान पर खिसक गए। बल्लेबाजी के मोर्चे पर, कामिंदू मेंडिस 16वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि धनंजय डी सिल्वा ने ऑलराउंडर रैंकिंग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, वे पांच पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गए।

वनडे क्रिकेट में अफगानिस्तान के उभरते सितारों ने इतिहास रच दिया। युवा सनसनी रहमानुल्लाह गुरबाज 23 साल की उम्र से पहले अपना सातवां शतक लगाने के बाद वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में 10 पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए। गुरबाज का उदय अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि वह आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। उनके शानदार प्रदर्शन ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड को पछाड़ दिया, जो इंग्लैंड के खिलाफ अपने पहले वनडे में नाबाद 154 रन बनाकर नौवें स्थान पर पहुंच गए।

अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान ने भी दक्षिण अफ्रीका पर अफगानिस्तान की ऐतिहासिक श्रृंखला जीत में 7 विकेट लेने के

बाद वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में 8 पायदान की छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। राशिद के प्रदर्शन ने अफगानिस्तान को शीर्ष पांच रैंकिंग वाली टीम पर पहली वनडे श्रृंखला जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

हमने अपनी प्रतिभा के साथ न्याय नहीं किया, भारत से पहले टेस्ट में हार पर बोले बांग्लादेश के कोच

कानपुर (एजेंसी)। बांग्लादेश के मुख्य कोच चंडिका हथुरुसिंघे ने बुधवार को कहा कि उनके खिलाड़ियों ने भारत के खिलाफ चेन्नई में खेले गए पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में अपनी प्रतिभा और क्षमता के साथ न्याय नहीं किया, लेकिन उम्मीद जताई कि शुक्रवार से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में उनकी टीम बेहतर प्रदर्शन करेगी।

बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शंटो (20) और अनुभवी शाकिब अल हसन (32) ने पहली पारी में अच्छी शुरुआत के लेकिन वे उसे बड़ी पारी में नहीं बदल पाए। दूसरी पारी में न केवल शंटो (82) बल्कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज जाकिर हसन (35) और शादमान इस्लाम (35) ने भी अच्छी शुरुआत की, लेकिन वे बड़ी पारी नहीं खेल पाए जिसके कारण बांग्लादेश को करारी हार का सामना करना पड़ा।

हथुरुसिंघे ने कहा, 'हम इसको लेकर थोड़े चिंतित हैं क्योंकि जब भी हम इसको लेकर बात करते हैं तो यही कहते हैं कि अगर आपको अच्छी शुरुआत मिलती है तो उसे बड़े स्कोर में बदलो। हमारे कुछ खिलाड़ियों ने क्रीज पर पर्याप्त समय बिताया लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए।% उन्होंने कहा, 'लेकिन भारत की यह टीम अलग-अलग चुनौतियां पेश कर रही है। हम इससे अच्छी तरह वाकिफ हैं। इसलिए हमें लंबे समय तक बल्लेबाजी करनी होगी।'

बांग्लादेश की टीम में बाएं हाथ से खेलने वाले पांच खिलाड़ी हैं जिनमें शीर्ष चार स्थान में बल्लेबाजी करने वाले मोमिनुल हक भी शामिल हैं। बल्लेबाजी में बाएं-दाएं संयोजन आमतौर पर बेहतर काम करता है क्योंकि यह गेंदबाजों को अपनी लाइन और लेंथ से लगातार संयोजन बिठाने के लिए मजबूर करता है। बांग्लादेश हालांकि इस आधार पर टीम का चयन नहीं करेगा। हथुरुसिंघे ने कहा, ''यह हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं फिर चाहे वह दाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हो या बाएं हाथ से। अगर हम टीम में कोई परिवर्तन करते हैं तो वह पिच की स्थिति निर्भर करेगा।'

उन्होंने कहा, 'जब भी हम टीम में कोई बदलाव करते हैं तो यह देखते हैं कि टीम में शामिल होने वाला खिलाड़ी टीम में क्या नया जोड़ सकता है तथा बाहर होने वाले खिलाड़ी से क्या नुकसान होगा। इसलिए हम इसे बाएं या दाएं हाथ के खिलाड़ी के बजाय समग्र रूप में देखते हैं।' ग्रीन पार्क की पिच से स्पिनर को मदद मिल सकती है जिससे दोनों टीम अपने एक तेज गेंदबाज को बाहर कर सकती हैं। लेकिन हथुरुसिंघे ने कहा कि उन्हें अभी नहीं पता कि किस विकेट पर मैच खेला जाएगा। उन्होंने कहा, 'हमने पिच को देखा है लेकिन मैदानकर्मियों ने दो विकेट तैयार कर रखे हैं। उन्होंने हमें यह नहीं बताया कि किस विकेट पर मैच खेला जाएगा। हमें इसके बारे में कल ही पता चलेगा।'

हैरी के शतक से इंग्लैंड ने तीसरे एकदिवसीय में ऑस्ट्रेलिया को हराया

-कंगारुओं का एक साल से जारी जीत का सिलसिला रुका

चेस्टर ली स्ट्रीट (एजेंसी)। कप्तान हैरी ब्रूक के शानदार शतक से इंग्लैंड ने 5 मैचों की एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज के तीसरे मुकाबले में विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हरा दिया। इस हार के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम का पिछले एक साल से चला आ रहा जीत का सिलसिला रुक गया। ऑस्ट्रेलियाई टीम को लगातार 14 जीत के बाद पहली हार मिली है। हैरी ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाज करते हुए नाबाद 110 रन बनाये। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने सीरीज में वापसी भी कर ली है हालांकि वह सीरीज में अभी भी 1-2 से पीछे है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले दोनो मैच जीते थे।

वहीं ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 304 रन बनाये। इसके बाद जीत के लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने आक्रामक बल्लेबाजी की। इसका कारण था कि मैच में बारिश का साया मंडरा रहा था। हैरी ने शुरुआती विकेट गिरने के बाद भी तूफानी खेल जारी रखा। जिससे 38वें ओवर में जब बारिश आई तो इंग्लैंड की टीम डकवर्थ लुइस नियम के अनुसार लक्ष्य से 46 रन आगे पहुंच गयी। इस प्रकार उसने ये मैच 46 रनों से जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया की टीम को करीब एक साल बाद हार का सामना करना पड़ा है।

इंग्लैंड की जीत में हैरी ब्रूक के अलावा विल जैक्स की भी अहम भूमिका रही। जब ये दोनो बल्लेबाजी कर रहे थे तब टीम ने 11 रनों पर ही 2 विकेट खो दिये थे। ऐसे में इन दोनों बल्लेबाजों ने गेंदबाजों पर हमला बोल दिया। इसका अंदाजा इसी से लगता है कि हैरी और जैक्स ने 147 गेंद में 6 से अधिक के स्ट्राइक रेट से 156 रन बना दिये। जैक्स ने 82 गेंद में 84 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद जैमी स्मिथ भी 7 रन ही बना पाये। हैरी 94 गेंद पर 110 रन बनाकर नाबाद रहे। वहीं लियाम लिविंग्सटन ने 20 गेंद पर 33 रन बनाये।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने एलेक्स कैरी 77और स्टीव स्मिथ 60 के अर्धशतकों की सहायता से 7 विकेट पर 304 रन बनाए। इसके अलावा ग्लेन मैक्सवेल 30 और एॅान हार्डी 44 ने भी अंत में अच्छी बल्लेबाजी की।

मुझे पूरा भरोसा है कि टीम इंडिया विश्व कप जीतेगी: बड़े इवेंट से पहले बोली पूनम यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले बहुप्रतीक्षित आईसीसी महिला टी20 विश्व कप से पहले भारतीय महिला टीम (आईएनडीडब्ल्यू) की लेग स्पिनर पूनम यादव ने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि टीम इंडिया विश्व कप जीतेगी। भारत 4 अक्टूबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने टी20 विश्व कप अभियान की शुरुआत करेगा। टूर्नामेंट से पहले भारत वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा।

पूनम ने कहा, 'कोच अमोल मजूमदार ने टीम की फील्डिंग और फिटनेस को बेहतर बनाने पर काफी ध्यान दिया है। उन्होंने 10 दिवसीय स्किल कैंप का भी आयोजन किया। मेरा मानना है कि चीजें सुधर रही हैं और कैंप में शामिल सभी लड़कियां कड़ी मेहनत कर रही हैं। जब आप ऐसे कैंप का हिस्सा होते हैं, तो आपको अपनी प्लेइंग पोजीशन के बारे में स्पष्टता मिलती है, कौन किस पोजीशन पर अहम भूमिका निभाता है और आपको कहां गेंदबाजी करनी चाहिए। इससे गलतियों को सुधारने में मदद मिलती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि आप विश्व कप में उन्हें न दोहराएं। मुझे पूरा विश्वास है कि टीम इंडिया विश्व कप जीतेगी।'

आगामी महिला टी20 विश्व कप 2024 में पूनम यादव को भारत की टीम में शामिल नहीं किया गया। भारत 2020 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में अपने पहले टी20 विश्व कप फाइनल में पहुंचा, यह मायावी खिताब जीतने की उम्मीदों से भरी रात थी। हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 185 रनों का पीछा करते हुए हरमनप्रीत की

टीम 99 रन पर आउट हो गई। 2022 में टी20 विश्व कप के पिछले संस्करण में भारत एक बार फिर सेमीफाइनल में पहुंचकर इतिहास रचने के करीब पहुंच गया था। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया एक बार फिर अंतिम चार में बाधा साबित हुआ।

टी20 विश्व कप की अगुवाई में भारत के नतीजे मिले-जुले रहे हैं। वे इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज हार गए, लेकिन हरमनप्रीत की टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ लगातार दो सीरीज जीतकर वापसी की। जुलाई में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत की टी20 सीरीज ड्रॉ पर समाप्त हुई। एशिया कप 2024 में भारत फाइनल में श्रीलंका से हार गया, जो पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहा।

भारतीय टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शैफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, दयालन हेमलता, आशा शोभना, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, सजना सजीवन।

ट्रैवलिंग रिजर्व : उमा छेत्री (विकेटकीपर), तनुजा कंवेर, साइमा ठाकोर।

गैर-यात्रा आरक्षित : राघवी बिस्ट, प्रिया मिश्रा।

महिला टी20 विश्व कप के टिकटों की बिक्री शुरू, 18 साल से कम उम्र वालों को फी एंट्री

दुबई । संयुक्त अरब अमीरात में अगले महीने से शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप के टिकटों की बिक्री बुधवार से शुरू हो गई है जिसमें सबसे कम कीमत वाला टिकट पांच दिरहम (लगभग 114 रुपए) का है। टूर्नामेंट का पहला मैच तीन अक्टूबर को खेला जाएगा और इस तरह से प्रतियोगिता शुरू होने से केवल एक सप्ताह पहले टिकट बिक्री के लिए जारी किए गए हैं। पहले इस टूर्नामेंट का आयोजन बांग्लादेश में होना था लेकिन वहां राजनीतिक अशांति के चलते इसकी मेजबानी संयुक्त अरब अमीरात को सौंपी गई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बयान में कहा, 'टिकटों की कीमत दर्शकों की पहुंच को ध्यान में रखकर तय की गई है। सबसे कम कीमत वाला टिकट पांच दिरहम जबकि प्रीमियम सीट का टिकट 40 दिरहम (लगभग 910 रुपए) का है। जिस दिन दो मैच खेले जाएंगे उस दिन एक ही टिकट से दोनों मैच के लिए प्रवेश मिलेगा।'

कानपुर टेस्ट के लिए रोहित-गंभीर ने किया पिच का निरीक्षण, मस्ती के मूड में दिखे विराट कोहली

कानपुर । 27 सितंबर से भारत और बांग्लादेश के बीच कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में दूसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा। इस टेस्ट के लिए टीम इंडिया ने तैयारी शुरू कर दी है। कप्तान रोहित शर्मा और हेड कोच गौतम गंभीर ने पिचा का मुआयना किया और विराट कोहली ने इस दौरान जमकर बल्लेबाजी की प्रैक्टिस की। इससे पहले चेन्नई टेस्ट में भारत ने बांग्लादेश को हराकर सीरीज में अजेय बढ़त बना ली है। अक्षर पटेल को चेन्नई टेस्ट में खेलने का मौका नहीं मिला था। रविंद्र जडेजा के रहते हुए अक्षर का प्लेइंग 11 में जगह बना पाना मुश्किल ही नजर आ रहा है। जसप्रीत बुमराह ने चेन्नई टेस्ट में दमदार गेंदबाजी की थी, अब दूसरे टेस्ट में भी उनसे ऐसी ही उम्मीद होगी। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम की पिच दूसरे टेस्ट मैच के लिए कैसी होगी, इसका मुआयना करते हुए कप्तान रोहित शर्मा नजर आए। रोहित शर्मा प्रैक्टिस सेशन के दौरान पिछ को परखते हुए भी दिखे। गौतम गंभीर और विराट कोहली के बीच भले ही आईपीएल के दौरान मैदान पर फाइट देखने को मिली है, लेकिन जबसे गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच बने हैं, उनके और विराट के बीच काफी बढ़िया केमेस्ट्री देखने को मिली है। कानपुर के ग्रीन पार्क स्टेडियम में प्रैक्टिस के दौरान गंभीर और विराट की इस फोटो को कैप्शन आप खुद दे दीजिए। कप्तान रोहित शर्मा को मालूम है कि पिच का रोल कितना अहम हो सकता है। कानपुर टेस्ट में ग्रीन पार्क स्टेडियम में इसी पिच पर टेस्ट मैच खेला जाना है। रोहित के लिए पिच को परखना इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि इसके हिसाब से ही उन्हें प्लेइंग इलेवन भी चुनना होगा। टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर और असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर दोनों ही पिच को परखने में लगे हैं। अक्षर पटेल के लिए भले ही प्लेइंग 11 में जगह बनती ना नजर आ रही हो, लेकिन प्रैक्टिस सेशन में उनकी एनर्जी में कोई कमी नजर नहीं आ रही है।

सचिन का रिकॉर्ड न भी तोड़ पाए तब भी सर्वकालिक महान खिलाड़ी बन जाएंगे जो रूट : इयान बेल

जोधपुर (एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज इयान बेल का मानना है कि जो रूट अगर सचिन तेंदुलकर के 15,921 रन के टेस्ट रिकॉर्ड को नहीं तोड़ पाते हैं तो भी वह टेस्ट क्रिकेट में उनके देश के सर्वकालिक महान बल्लेबाज बन जाएंगे। रूट हाल ही में श्रीलंका के दिग्गज बल्लेबाज कुमार संगकारा को पीछे छोड़ते हुए सबसे लंबे प्रारूप में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में छठे स्थान पर पहुंच गए थे।

बेल ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट के अवसर पर कहा, 'रूट ने पिछले 12 महीनों अविश्वसनीय रूप से शानदार प्रदर्शन किया है। मुझे नहीं लगता कि वह भविष्य के बारे में बहुत कुछ सोच रहा है। वह उसी क्षण में जी रहा है जैसे हम जी रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'सचिन जैसे महानतम खिलाड़ी के करीब पहुंचना भी बड़ी उपलब्धि है। सचिन खेल का वास्तव में महान खिलाड़ी है जिनको खेलते हुए देखकर हम बड़े हुए हैं। वह केवल भारतीय क्रिकेट प्रेमियों

के ही नहीं बल्कि दुनिया भर के लोगों के लिए नायक हैं।'

इंग्लैंड की तरफ से 118 टेस्ट मैच खेलने वाले 42 वर्षीय बेल ने अपने पूर्व साथी के बारे में कहा, 'यह सोचना भी बड़ी उपलब्धि है कि रूट सचिन के करीब पहुंच सकता है। वह सचिन का रिकॉर्ड तोड़ पाए हैं या नहीं, इसमें कोई संदेह नहीं कि वह इंग्लैंड के सर्वकालिक महान बल्लेबाज के रूप में जाने जाएंगे।' रूट अभी 33 वर्ष के हैं और उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में 12402 रन बनाए हैं। इस तरह से वह तेंदुलकर के रिकॉर्ड से अभी 3519 रन पीछे हैं। बेल को लगता है कि इंग्लैंड के बहुचर्चित बैज़बॉल दृष्टिकोण ने मौजूदा खिलाड़ियों की प्रतिभा को उजागर किया है।

उन्होंने कहा, 'एक प्रशंसक के तौर पर आपको परिणामों को देखना होगा। जब से ब्रेंडन (मैकुलम) इंग्लैंड की टीम में आए हैं और (बेन) स्टोक्स ने कमान संभाली है, टीम ने अच्छे परिणाम हासिल किए हैं। वे जैक क्रॉली, ओली पोप, हैरी ब्रुक जैसे युवा खिलाड़ियों से अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सफल रहे हैं।'

इंग्लैंड विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के पहले दो चक्र में फाइनल में पहुंचने के दावेदारों में शामिल नहीं रहा और बेल का मानना है कि अगले चक्र में घरेलू श्रृंखलाओं में जीत दर्ज करना महत्वपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा यकीन है कि उनकी नजर अगले 12 महीनों पर है, जिसमें उन्हें भारत के खिलाफ घरेलू मैदान पर पांच टेस्ट मैच खेलने हैं, जो एक बड़ी चुनौती होगी।' बेल ने कहा, 'भारत अभी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है और उसके बाद इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है। इंग्लैंड की टीम के लिए यह 10 टेस्ट मैच बेहद महत्वपूर्ण होंगे और वे इसके लिए खुद को तैयार कर रहे हैं।'

एम्बाप्पे ने फिर दागा गोल, रियाल मैड्रिड को दिलाई एक और जीत

मैड्रिड । किलियन एम्बाप्पे ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए पिछले पांच मैच में अपना छठा गोल दागा जिससे रियाल मैड्रिड ने स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में अलावेस को 3-2 से हराया। एम्बाप्पे को खेल के 40वें मिनट में बॉक्स के अंदर गेंद मिली और उन्होंने एक डिफेंडर को छकाकर बड़ी खूबसूरती से उसे गोल में बदल दिया। एम्बाप्पे को मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 80वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा था। लुकास वाजक्वेज और रोड्रिगो ने भी मैड्रिड की तरफ से गोल किए। इससे मैड्रिड ने स्पेनिश लीग में अपने अजेय अभियान को 39 मैच तक पहुंचा दिया है। इसमें पिछले सत्र की 29 जीत और 10 ड्रॉ भी शामिल हैं। अलावेस ने 85वें मिनट में कार्लोस बेनाविदेज़ और 86वें मिनट में किके गार्सिया के गोल की मदद से वापसी की अच्छी कोशिश की लेकिन अंतिम क्षणों में कुछ अच्छे मौके मिलने के बावजूद वह बराबरी नहीं कर पाया। एम्बाप्पे के अब मैड्रिड के साथ सभी प्रतियोगिताओं में 9 मैचों में सात गोल हो गए हैं। स्पेनिश लीग में उनके नाम पांच गोल हैं और वह बार्सिलोना के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की से एक गोल पीछे हैं।

बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में इतिहास रच सकते हैं रविंद्र जडेजा

कानपुर (एजेंसी)। भारत के ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा बांग्लादेश के खिलाप दूसरे टेस्ट में ऐतिहासिक रिकॉर्ड बना सकते हैं। उन्होंने पहले टेस्ट की पहली पारी में 86 रन की पारी खेलने के बाद दोनों पारियों में 5 विकेट झटके थे। दरअसल, रविंद्र जडेजा के नाम 73 टेस्ट में 299 विकेट हैं। वह एक विकेट और लेते हैं टेस्ट क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे कर लेंगे। वह ऐसा करने वाले भारत के पहले ही लेफ्ट आर्म स्पिनर बनेंगे। दुनिया में अब तक 2 ही लेफ्ट आर्म स्पिनर्स 300 टेस्ट विकेट ले सके हैं। इनमें श्रीलंका के रंगना हेराथ 233 विकेट के साथ पहले और न्यूजीलैंड के डेनियल विटोरी 362 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर काबिज हैं। अगर जडेजा भी ये उपलब्धि हासिल कर लेते हैं तो वह ऐसा करने वाले दुनिया के तीसरे लेफ्ट आर्म स्पिनर बन जाएंगे। 35 वर्षीय जडेजा हर मैच में औसतन 4 विकेट ले रहे हैं। रंगना हेराथ से आगे निकलने के लिए उन्हें 134 विकेट और चाहिए। 4 विकेट के औसत से देखें तो ऐसा करने के लिए उन्हें 34 टेस्ट और लगेंगे। भारत एक साल में औसत 10 से 12 टेस्ट खेलता है यानी जडेजा को 34 टेस्ट खेलने में 4 साल और लग सकते हैं।

हॉकी द्विपक्षीय सीरीज के लिए जर्मनी से भिड़ेगी भारतीय हॉकी टीम, हॉकी इंडिया ने किया ये ऐलान

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 23 और 24 अक्टूबर को मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में जर्मनी के साथ दो मैचों की द्विपक्षीय सीरीज खेलेगी। हॉकी इंडिया ने ये घोषणा की। भारत ने पिछली बार जर्मनी का सामना पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में किया था जहां यूरोप की दिग्गज टीम ने 3-2 से जीत दर्ज की थी। भारत ने ओलंपिक में तीसरे स्थान के प्ले ऑफ में स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता था। वहीं हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा कि, जर्मनी के खिलाफ ये द्विपक्षीय सीरीज विश्व स्तरीय हॉकी का एक उल्लेखनीय प्रदर्शन होगी। भारत और जर्मनी दोनों का खेल में एक समृद्ध इतिहास है और ये सीरीज फैंस को दुनिया की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने का अवसर देगी। हम इस सीरीज की मेजबानी से सम्मानित महसूस कर रहे हैं। इससे ना केवल हॉकी की भावना को बढ़ावा मिलेगा बल्कि दोनों देशों के बीच रिश्ते भी मजबूत होंगे। वहीं भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मंगलवार को कहा कि वह जर्मनी के खिलाफ दो मैचों की द्विपक्षीय सीरीज का इंतजार कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि 23 और 24 अक्टूबर को होने वाले मैच से उनकी टीम को खुद को परखने का मौका मिलेगा और इससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों में इस खेल के प्रति भावना को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी।

प्रमुख घरेलू टूर्नामेंट में खेलते नजर आएंगे विराट कोहली, आगामी सत्र के लिए संभावित टीम में शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्टार भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली आगामी रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में खेलते हुए नजर आएंगे। उनके साथ विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी हो सकते हैं जिन्हें दिल्ली की संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट में प्रमुख घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है। इसी तारीख को दिल्ली अपने एलीट प्लेट ग्रुप डी मैच में छत्तीसगढ़ से खेलेगी।

संभावित खिलाड़ियों की सूची में अंतरराष्ट्रीय/इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सितारे ऋषभ पंत, नवदीप सैनी, आयुष बदोनी, अनुज रावत, यश ढुल आदि भी शामिल हैं। पंत ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ भारत की घरेलू श्रृंखला से पहले दलीप ट्रॉफी में हिस्सा लिया था। बांग्लादेश के खिलाफ पहले चेन्नई टेस्ट में पंत ने शानदार शतक बनाया और धमाकेदार वापसी करते हुए टेस्ट टीम में वापसी की।

दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (DDCA) की ओर से 84 संभावित खिलाड़ियों की सूची की घोषणा करते हुए एक पत्र में कहा गया, 'आज 24 सितंबर 2024 को शाम 5:30 बजे DDCA में आयोजित सीनियर पुरुष चयन समिति की बैठक में गुरशरण सिंह (अध्यक्ष), के भास्कर पिल्लई (चयनकर्ता), राजीव विनायक (चयनकर्ता), सरनदीप सिंह (मुख्य कोच और राजन मनचंदा (संयुक्त सचिव) उपस्थित थे। समिति ने 2024-25 के घरेलू सत्र में आगामी रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के लिए दिल्ली पुरुष सीनियर टीम में विचार के लिए निम्नलिखित संभावित खिलाड़ियों का चयन किया है। चयनित खिलाड़ियों के लिए फिटनेस टेस्ट 26 सितंबर 2024 को होगा, जिसमें स्थल का विवरण टीम मैनेजर द्वारा बताया जाएगा।'

पत्र में यह भी कहा गया, 'अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी पर खिलाड़ियों को फिटनेस टेस्ट से छूट दी गई है। इसके अलावा 23 वर्ष से कम उम्र के खिलाड़ियों को, यदि रणजी ट्रॉफी टीम के लिए नहीं चुना जाता है, तो उन्हें ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।' पत्र में कहा गया है, 'अंडर-23 श्रेणी के लिए चयनकर्ताओं का अंतिम निर्णय संबंधित श्रेणियों में खिलाड़ियों की नियुक्ति पर होगा।'

विशेष रूप से विराट ने रणजी में अपना अंतिम मैच नवंबर 2012 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला था जिसमें वे तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की गेंद पर दोनों पारियों में 14 और 42 रन बनाकर आउट हो गए थे। 146 प्रथम श्रेणी मैचों में विराट ने 49.86 की औसत से 11,120 रन बनाए हैं जिसमें 36 शतक और 38 अर्द्धशतक शामिल हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 254* है। 11 अक्टूबर को होने वाला यह रणजी ट्रॉफी मैच 16 अक्टूबर से बेंगलुरु में भारत और न्यूजीलैंड के बीच होने वाले पहले टेस्ट से पहले होगा और इससे विराट को घरेलू परिस्थितियों में कुछ जरूरी खेल खेलने का मौका मिल सकता है, क्योंकि इस साल वे फॉर्म हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

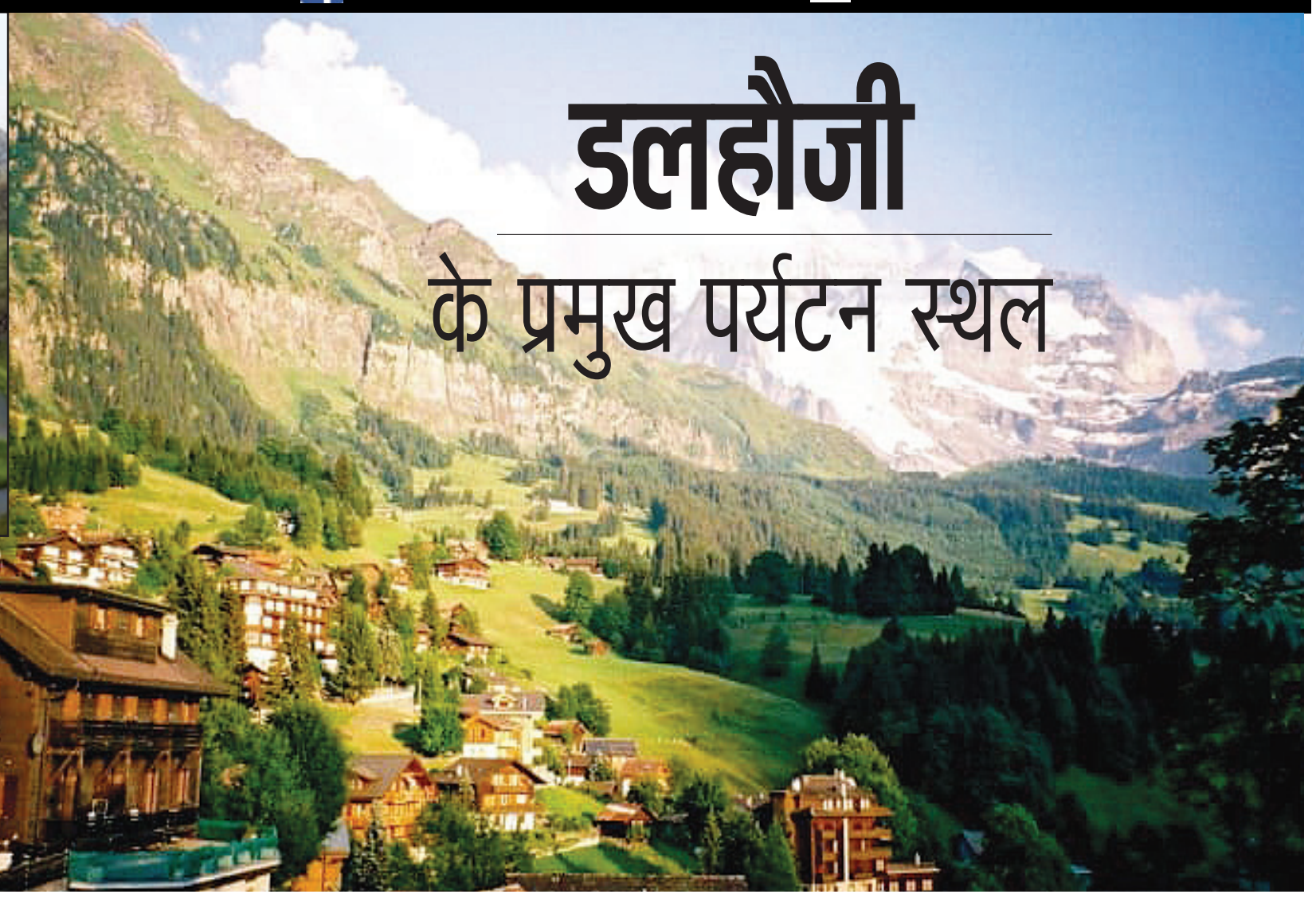

डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थल

भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर सतधारा फाल्स में लीजिए शांति का अनुभव

सतधारा झरना या फाल्स हिमाचल प्रदेश की चंबा घाटी में स्थित है, जो बर्फ से ढके पहाड़ों और ताजे देवदार के पेड़ों के शानदार दृश्यों से घिरा हुआ है। 'सतधारा' का मतलब होता है सात झरने, इस झरने का नाम सातधारा सात खूबसूरत झरनों के जल के एक साथ मिलने की वजह से रखा गया है। इन झरनों का पानी समुद्र से 2036 मीटर ऊपर एक बिंदु पर मिलता है। यह जगह उन लोगों के लिए एक खास है, जो शहर की भीड़-भाड़ वाली जिंदगी से दूर जाकर शांति का अनुभव करना चाहते हैं। सतधारा फाल्स अपने औषधीय गुणों की वजह से भी जानी जाती है, क्योंकि यहां के पानी में अभ्रक पाया जाता है, जिसमें त्वचा के रोग ठीक करने के गुण होते हैं।

अगर आप डलहौजी के पास घूमने की अच्छी जगह तलाश रहे हैं तो सतधारा फाल्स आपके लिए एक अच्छी जगह है। इसे स्थानीय भाषा में 'गंडक' के नाम से जाना जाता है। यहां का पानी साफ क्रिस्टल और निर्मल है। राजसी सतधारा झरने का पानी की बूंदे जब चट्टानों पर टकराकर उछलती हैं तो पर्यटकों को बेहद आनंदित करती हैं। यहां पानी से गीली हुई मिट्टी की खुशबू हवा को ताजा कर देती है। सतधारा जलप्रपात को चारों ओर का दृश्य अपनी भव्यता के साथ दर्शकों को बेहद प्रभावित करता है। अगर आप सतधारा फाल्स घूमने के अलावा इसके पर्यटन स्थलों की सैर भी करना चाहते हैं तो इस आर्टिकल को पूरा जरूर पढ़ें, इसमें हमने सतधारा फाल्स जाने के बारे में और इसके पास के पर्यटन स्थलों के बारे में पूरी जानकारी दी है।

सतधारा जलप्रपात की मुख्य विशेषताएं

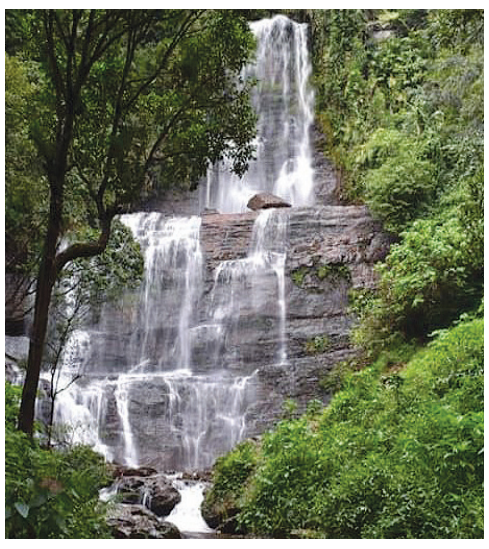

सतधारा जलप्रपात का अपना अलग औषधीय मूल्य है। स्प्रिंग्स में तत्व माइका तत्व पाया जाता है, जिसमें ऐसे औषधीय गुण होते हैं, जो संभावित रूप से कई बीमारियों का इलाज कर सकता है। यह चकाचौंध वाला झरने पंचपुला के रास्ते में स्थित हैं, जो डलहौजी में घूमने के लिए एक और बहुत ही लोकप्रिय जगह है। सतधारा झरने से सूर्यास्त का दृश्य बस शानदार दिखाई देता है, पर्यटकों को देखने में ऐसा लगता है कि एक पीली आग की नारंगी गेंद घूमती है और धीरे-धीरे पहाड़ियों के पीछे छुप जाती है।

सतधारा फाल्स घूमने के लिए टिप्स

- जब आप झरने के क्षेत्र में प्रवेश कर सकते हैं और इसमें चारों ओर छींटे आपके कपड़ों को गीला कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त कपड़ें ले जाना न भूलें।
- फॉल्स से सूर्यास्त देखने के लिए वहां उपस्थित रहने की कोशिश करें।
- ऐसे जूते पहनें जो आपको अच्छी पकड़ और आराम दें, क्योंकि चट्टानों में काई से फिसलन होती है।
- अपने साथ कैमरा ले जाना न भूलें।

सतधारा फाल्स के आसपास के प्रमुख पर्यटन और आकर्षण स्थल

सतधारा फाल्स डलहौजी का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है, जो शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। अगर आप इस फाल्स के अलावा डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों की सैर करना चाहते हैं तो यहां दी गई जानकारी को जरूर पढ़ें।

बकरोटा हिल्स

बकरोटा हिल्स जिसे अपर बकरोटा के नाम से भी जाना जाता है, यह डलहौजी का सबसे ऊंचा इलाका है और यह बकरोटा वॉक नाम की एक सड़क का सर्किल है, जो खजियार की ओर जाती है। भले ही इस जगह पर पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बहुत कुछ नहीं है, लेकिन यहां टहलना और चारों तरफ के आकर्षक दृश्यों को देखना पर्यटकों की आंखों को बेहद आनंद देता है। आपको बता दें कि यह क्षेत्र चारों तरफ से देवदार के पेड़ों और हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

सच पास

सच दर्रा पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला के ऊपर 4500 मीटर की ऊंचाई से होकर जाता है और डलहौजी को चंबा और पांगी घाटियों से जोड़ता है। आपको बता दें कि डलहौजी से 150 किमी की दूरी पर यह मार्ग उत्तर भारत में पार करने के लिए सबसे कठिन मार्गों में से एक है, जो लोग एडवेंचर पसंद करते हैं तो अक्सर सच पास (जब यह खुला होता है) का दौरा करते हैं और यहां से बाइक या कार चलाने का रोमांचक अनुभव लेते हैं। अगर आप इस मार्ग से यात्रा करें तो जोखिम न लें और अपने साथ एक अनुभवी ड्राइवर लेकर जाएं। यह चंबा या पांगी घाटी तक पहुंचने के लिए लोगों का पसंदीदा रास्ता है और डलहौजी से ट्रेकिंग के लिए एक प्रसिद्ध बिंदु है।

सुभाष बावली

सुभाष बावली डलहौजी में गांधी चौक से 1 किमी दूर स्थित एक ऐसी जगह है, जिसका नाम प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया। सुभाष बावली एक ओर अपने खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, दूर-दूर तक फैले बर्फ के पहाड़ों दृश्यों और सुंदरता के लिए जाना जाता है। सुभाष बावली वो जगह है, जहां पर सुभाष चंद्र बोस 1937 में स्वास्थ्य की खराबी के चलते आए थे और वो इस जगह पर 7 महीने तक रहे थे। इस जगह पर रहकर वे बिलकुल ठीक हो गए थे। आपको बता दें कि यहां पर एक खूबसूरत झरना भी है, जो हिमनदी धारा में बहता है।

डैनकुंड पीक

डैनकुंड पीक जिसे सिगिंग हिल के नाम से भी जाना जाता है, जो डलहौजी में समुद्र तल से 2755 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। आपको बता दें कि यह डलहौजी में सबसे ऊंचा स्थान होने के कारण यहां से घाटियों और पहाड़ों के अद्भुत दृश्यों को देखा जा सकता है। प्रकृति प्रेमियों के लिए शांत जगह स्वर्ग के सामान है। डलहौजी क्षेत्र में स्थित डैनकुंड सचमुच देखने लायक जगह है, जो अपनी खूबसूरत बर्फ से ढकी चोटियों और हरे-भरे वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। डैनकुंड पीक हर साल भारी संख्या में देश भर से पर्यटकों को अपनी तरफ आकर्षित करती है।

गंजी पहाड़ी

गंजी पहाड़ी पठानकोट रोड पर डलहौजी शहर से 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक सुंदर पहाड़ी है। इस पहाड़ का नाम गंजी पहाड़ी इसकी खास विशेषता से लिया गया था, क्योंकि इस पहाड़ी पर वनस्पतियों की पूर्ण अनुपस्थिति है। गंजी का मतलब होता है गंजापन। डलहौजी के पास स्थित होने की वजह से यह पहाड़ी एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है। सर्दियों के दौरान यह इलाका मोटी बर्फ से ढक जाता है, जो मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

चामुंडा देवी मंदिर

चामुंडा देवी मंदिर देवी काली को समर्पित एक महत्वपूर्ण धार्मिक केंद्र है। इस मंदिर के बारे में कहा जाता है कि यहां पर देवी अंबिका ने मुंडा और चंदा नाम के राक्षसों का वध किया था। इस मंदिर में देवी को एक लाल कपड़े में लपेटकर रखा जाता है, यहां आने वाले पर्यटकों को देवी की मूर्ति को छूने नहीं दिया जाता। इस क्षेत्र में पर्यटकों को कई सुंदर दृश्य भी देखने को मिलते हैं।

रॉक गार्डन

रॉक गार्डन डलहौजी में एक सुंदर उद्यान और एक लोकप्रिय पिकनिक स्थल है। इस पार्क में पर्यटक आराम करने के अलावा, इस क्षेत्र में उपलब्ध कई साहसिक खेलों का भी मजा ले सकते हैं, जिनमें जिप लाइनिंग आदि शामिल हैं।

खाज्जिअर

खाज्जिअर डलहौजी के पास स्थित एक छोटा सा शहर है जिसको 'मिनी स्विट्ज़रलैंड' या 'भारत का स्विटजरलैंड' के नाम से भी जाना जाता है। इस स्थान की खूबसूरती हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। 6,500 फीट की ऊंचाई पर स्थित खाज्जिअर अपनी प्राकृतिक सुंदरता की वजह से डलहौजी के पास घूमने की सबसे अच्छी जगहों में से एक हैं। इस जगह होने वाले साहसिक खेल जोरबिंग, ट्रेकिंग पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

पंचपुला

पंचपुला हरे देवदार के पेड़ों के आवरण से घिरा एक झरना है, जो डलहौजी के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है। पंचपुला वो जगह है, जहां पर पांच धाराएं एक साथ आती हैं। पंचपुला की मुख्य धारा डलहौजी के आसपास विभिन्न जगहों में पानी की पूर्ति करती है। यह जगह ट्रेकिंग और खूबसूरत दृश्यों की वजह से जानी जाती है। पंचपुला के पास एक महान क्रांतिकारी सरदार अजीत सिंह (शहीद भगत सिंह के चाचा) की याद में एक समाधि बनाई गई है, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली थी। मानसून के मौसम में इस जगह के प्राचीन पानी का सबसे अच्छा आनंद लिया जाता है, जब पानी गिरता तो यहां का वातावरण पर्यटकों को आनंदित करता है।

डलहौजी जाने के लिए यह है सबसे अच्छा समय

डलहौजी अपनी आदर्श जलवायु की वजह से एक ऐसी जगह है, जहां आप पूरे वर्ष भर घूम सकते हैं। हालांकि, डलहौजी जाने का सबसे अच्छा समय मार्च-जून के बीच का होता है। मार्च और अप्रैल के महीनों में यहां पर बर्फ पिघलना शुरू हो जाती है और जब सूरज की किरणें बर्फ से ढके पहाड़ों और चरागाहों से टकराती है, तब इस जगह की चमक देखने लायक होती है। इस समय यहां का मौसम बहुत सुहावना रहता है आप मार्च और अप्रैल में ठंड का अनुभव कर सकते हैं और जून के महीने में यहां का तापमान थोड़ा बढ़ने लगता है। गर्मियों के महीनों में भी डलहौजी का मौसम काफी अच्छा होता है, जिसकी वजह से यह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के सामान है। मानसून भी यहां का मौसम सुहावना है, क्योंकि मध्यम वर्षा से आपकी योजनाओं में कोई रुकावट नहीं आती। डलहौजी में सर्दियां साहसिक गतिविधियों के लिए सही हैं।

हवाई जहाज से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: हवाई जहाज से डलहौजी पहुंचने कांगड़ा में गग्गल हवाई अड्डा इसका सबसे निकटतम घरेलू हवाई अड्डा है। यह हवाई अड्डा शहर से 13 किमी दूर है और यहां से डलहौजी हिल स्टेशन तक पहुंचने के लिए टैक्सी आसानी से उपलब्ध हैं। इसके अलावा आप अन्य हवाई अड्डे चंडीगढ़ (255 किमी), अमृतसर (208 किमी) और जम्मू (200 किमी) के लिए भी उड़ान ले सकते हैं।

रेलगाड़ी से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी का सबसे निकटतम रेल स्टेशन पठानकोट है, जो इस पहाड़ी शहर से 80 किमी दूर स्थित है और भारत के विभिन्न शहरों, जैसे दिल्ली, मुंबई और अमृतसर से कई ट्रेनों के माध्यम से अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। पठानकोट रेलवे स्टेशन से डलहौजी पहुंचने के लिए आपको बाहर से टैक्सियां मिल जाएंगी।

सड़क मार्ग से सतधारा फाल्स ऐसे पहुंचें: डलहौजी सड़क मार्ग की मदद से आसपास के प्रमुख शहरों और जगहों से जुड़ा हुआ है। राज्य बस सेवा और लक्जरी कोच डलहौजी को आसपास की सभी प्रमुख जगहों और शहरों से जोड़ते हैं। दिल्ली से डलहौजी के लिए रात भर लक्जरी बसें भी उपलब्ध हैं। इस मार्ग पर टैक्सी और निजी वाहन भी मिल जाते हैं।

स्त्री की देह के आकार वाली है रेणुका झील

रेणुका झील हिमाचल प्रदेश के नाहन से लगभग 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। रेणुका झील की समुद्र तल से ऊंचाई लगभग 2200 फीट है। यह एक अत्यंत रमणीक झील है, जो लगभग तीन किलोमीटर लंबी तथा आधा किलोमीटर चौड़ी एक अदभुत झील है। इस झील का आकार एक लेटी हुई स्त्री की देह के समान है। जो इसे अदभुत एवं अनोखा बनाता है।

इस झील के चारों ओर हरियाली एवं इसके पानी मे अठखेलियां करती मछलियां पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। इस झील की गणना एक पावन तीर्थ स्थल के रूप में भी की जाती है। हर वर्ष दिपावली के लगभग दस दिन बाद यहां एक विशाल मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें हजारों श्रद्धालु भाग लेते हैं। झील के किनारे मां रेणुका और परशुराम का प्रसिद्ध मंदिर है तथा एक छोटा सा चिडियाघर है, जो पर्यटकों को काफी पसंद आता है। झील में मनोरंजन के लिए बोटिंग करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसमें बैठकर सैलानी झील के चारों ओर की प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कर सकते हैं, रेणुका झील का स्त्री रूपी आकार देखने के लिए यहा से आठ किलोमीटर ऊपर जामु चोटी पर जाना पड़ता है। जहां से रेणुका झील का आकार लेटी हुई स्त्री की देह के समान दिखाई पड़ता है।

रेणुका झील का इतिहास

रेणुका झील कैसे बनी और इसकी धार्मिक महत्व के पीछे कई मशहूर दंत कथाए प्रचलित हैं। एक कहानी के अनुसार कहा जाता है कि बहुत समय पहले यहां राजा रेणु रहा करते थे। उनकी दो सुंदर पुत्रियां थी, जिनमें से एक नैनुका तथा दूसरी पुत्री रेणुका थी। एक बार राजा ने दोनो पुत्रियों से प्रश्न किया कि वो किसका दिया खाती हैं, जिसके जवाब में नैनुका ने कहा कि वह अपने पिता का दिया खाती है। जबकि रेणुका ने जवाब दिया कि वह भगवान का दिया और अपने नसीब का खाती हूं। रेणुका के जवाब से राजा अप्रसन्न हो गए और उन्होंने रेणुका को सबक सिखाने का निर्णय लिया। कुछ समय बाद राजा ने बड़ी पुत्री नैनुका का विवाह बड़ी धूम-धाम से एक पराक्रमी राजा सहस्त्रबाहु से कर दिया और छोटी पुत्री रेणुका को सबक सिखाने रेणुका का विवाह एक सीधे साधे तपस्वी ऋषि जमदग्नि से कर दिया। हालांकि रेणुका राजसी ठाठ-बाट मे पली बढ़ी थी। फिर भी उसने ऋषि जमदग्नि को अपना पति स्वीकार किया और तन मन से उसकी सेवा करने लगी। एक दिन राजा सहस्त्रबाहु की दृष्टि रेणुका पर पड़ी तो वह उसे देखता ही रह गया। वास्तव में रेणुका का रूप लावण्य उसके हृदय में उतर गया था। उसने उसी समय रेणुका को अपनी रानी बनाने का फैसला किया और रेणुका को पाने की युक्ति सोचने लगा। अपने षड्यंत्र के तहत एक दिन वह चुपचाप ऋषि जमदग्नि के आश्रम पहुंचा और ध्यानमग्न जमदग्नि को उसने अपने बाण से मार डाला। उसके बाद वह रेणुका का चीरहरण करने उसकी तरफ बढ़ा। रेणुका सहस्त्रबाहु के अपवित्र इरादों को भांप गई और भागकर नीचे तलहटी मे जा पहुंची। सहस्त्रबाहु रेणुका का पीछा करता हुआ, उसके पीछे दौड़ा। इससे पहले वह रेणुका को पकड़ पाता। एकाएक धरती फटी और देखते ही देखते रेणुका उसमें समा गई। रेणुका के धरा में समाते ही पानी की धाराएं फूट पड़ी और देखते ही देखते उस स्थान ने एक झील का रूप धारण कर लिया। तभी से यह झील रेणुका झील के नाम से प्रसिद्ध हो गई।

रेणुका झील कैसे पहुंचें

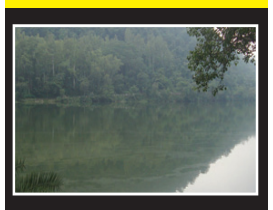

हवाई मार्ग

मुब्बार हटटी यहां का सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जो यहां से 40 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से टैक्सी द्वारा जाया जा सकता है।

रेल मार्ग

यहां का सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन कालका है, जो लगभग 110 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां से आप बस या टैक्सी के द्वारा जा सकते हैं।

सड़क मार्ग

यह स्थल सड़क मार्ग से जुड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

सीरिया में नई सरकार का गठन, राष्ट्रपति? असद ने दी मंजूरी

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद ने सोमवार को एक आदेश में नई

सरकार के गठन की घोषणा की। आदेश के तहत पूर्व उप विदेश मंत्री बासम अल-सब्बाग को फैसल मेकदाद के स्थान पर विदेश मंत्री बनाया गया। मेकडैड को उपराष्ट्रपति नियुक्त किया गया। जिसे राष्ट्रपति के निर्देशों के तहत विदेश और मीडिया नीति को लागू करने का काम सौंपा गया। सीरिया के सबसे बड़े प्रिंट मीडिया प्रकाशकों में से एक, अल-वहदा प्रिंटिंग एंड पब्लिशिंग ऑर्गनाइजेशन के पूर्व महानिदेशक जियाद घोसौं को नया सूचना मंत्री नामित किया गया। नई सरकार का गठन शनिवार को अल-असद द्वारा जारी एक आदेश के बाद हुआ है। इसमें उन्होंने पूर्व संचार मंत्री मोहम्मद गाजी जलाली को नए प्रधान मंत्री के रूप में नामित किया। उन्हें जुलाई के संसदीय चुनावों के बाद सरकार बनाने का काम सौंपा था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 55 वर्षीय जलाली अक्टूबर 2014 से यूरोपीय संघ ने प्रतिबंध लगा रखा है।

शी जिनपिंग ने श्रीलंका के नए राष्ट्रपति दिसानायके को बधाई दी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने सोमवार को श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके को बधाई दी। एकेडी के नाम से मशहूर 56 वर्षीय मार्क्सवादी नेता दिसानायके को कोलंबो स्थित राष्ट्रपति सचिवालय में प्रधान न्यायाधीश जयंत जयसूर्या ने श्रीलंका के नौवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ दिलाई। उन्होंने शनिवार को हुए चुनाव में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी समागी जन बालवेगया के साजिथ प्रेमदासा को हराया। आधिकारिक मीडिया ने बताया कि 71 वर्षीय शी ने मार्क्सवादी जनता विमुक्ति पेरामुना पार्टी के व्यापक मोर्चे नेशनल पीपुल्स पावर के नेता दिसानायके को शपथ ग्रहण के तुरंत बाद बधाई दी। दिसानायके श्रीलंका के पहले मार्क्सवादी नेता हैं जो देश के राष्ट्राध्यक्ष बने हैं। पिछले साल उन्होंने चीन का दौरा किया था और द्विपक्षीय संबंधों पर चीनी अधिकारियों से बातचीत की थी। दिसानायके ने शपथ ग्रहण करने के बाद कहा कि श्रीलंका अलग-थलग नहीं रह सकता और उसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वह कोई जादूगर नहीं हैं और उनका उद्देश्य आर्थिक संकट से जूझ रहे देश को ऊपर उठाने की सामूहिक जिम्मेदारी का हिस्सा बनना है।

एयरपोर्ट पर विमान क्रैश, धरती से टकराते ही बिखर गया मलबा, दो पायलटों की मौके पर मौत

येनिसेहिर, एजेंसी। तुर्की के बुर्सा प्रांत में येनिसेहिर जिले में एक गंभीर विमान हादसा हुआ। सोमवार सुबह, स्थानीय समयानुसार करीब 8 बजे, एक ट्रेनिंग विमान एयरपोर्ट के ऐप्रन एरिया में क्रैश हो गया। हादसे में दो पायलटों की मौके पर ही मौत हो गई। दो पायलटों की मौत: हादसे में जान गंवाने वाले पायलटों में से एक अनुभवी सर्टिफाइड पायलट था, जबकि दूसरा पायलट ट्रेनिंग के दौरान फ्लाइट का संचालन कर रहा था। विमान पूरी तरह से चकनाचूर: जैसे ही विमान धरती से टकराया, वह बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। यह विमान एक प्राइवेट फ्लाइट स्कूल का था और ट्रेनिंग उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। जांच शुरू: हादसे के बाद अधिकारियों ने तुरंत जांच शुरू कर दी है। विमान के क्रैश की सही वजह का पता लगाने के लिए विशेषज्ञ विभिन्न संभावनाओं जैसे तकनीकी खराबी या मानवीय त्रुटि की जांच कर रहे हैं।

जापान: पूर्व प्रधानमंत्री नोडा चुने गए मुख्य विपक्षी पार्टी के नेता

टोक्यो, एजेंसी। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री योशिहिको नोडा को सोमवार को मुख्य विपक्षी दल कांस्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जापान (सीडीपीजे) का नया नेता चुना गया। उन्होंने पार्टी के संस्थापक सांसद युकिओ एडानो सहित अन्य तीन उम्मीदवारों को हराया। पहले दौर में किसी भी दावेदार को बहुमत नहीं मिलने की वजह से मुकाबला नोडा और एडानो के बीच हुआ। अंतिम मुकाबले में नोडा ने जीत हासिल कर ली। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, 67 वर्षीय नोडा डेमोक्रेटिक पार्टी (अब विघटित) के तहत 2011 से 2012 तक जापान के प्रधानमंत्री रहे। अंतिम चरण के मतदान से पहले अपने भाषण में नोडा ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, वृद्धों की देखभाल और विकलांगता सहायता जैसी आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने राजनीति में जनता का विश्वास बहाल करने के महत्व पर भी बल दिया। यह मुकाबला 27 सितंबर को सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के नेतृत्व चुनाव से पहले हुआ है। सीडीपीजे संभावित आम चुनाव में अधिक सीटें हासिल करने की कोशिशों को तेज कर रही है। यह लंबे समय से प्रभावी एलडीपी को गंभीर चुनौती देना चाहती है। इस बीच जापान के निवर्तमान पीएम ने सोमवार को न्यूयॉर्क में भविष्य के शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में विस्तार तथा इसकी कार्यप्रणाली में सुधार का समर्थन किया। मौजूदा और भावी पीढ़ियों के हितों की रक्षा के लिए सामूहिक रूप से कार्रवाई करने की तत्काल जरुरत है। जापानी पीएम ने कहा, शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों की ओर से सुधार के लिए स्पष्ट आह्वान किया जा रहा है, जिसमें बहुमत स्थायी और अस्थायी दोनों सीटों के विस्तार का समर्थन कर रहा है।

लेबनान में 1600 जगहों पर इजराइली हमले: अब तक 492 की मौत, 1645 घायल

बेरूत, एजेंसी। इजराइली डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) ने सोमवार को हिजबुल्लाह के 1600 टारगेट को निशाना बनाते हुए लेबनान में एयर स्ट्राइक की हैं। इनमें 10 हजार रॉकेट्स बर्बाद करने का दावा किया है। वहीं, लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इस हमले में अब तक 492 लोगों की मौत हुई है। इनमें 58 महिलाएं और 35 बच्चे हैं। 1,645 लोग घायल हैं। अलजजीरा के मुताबिक, 2006 में इजराइल-लेबनान जंग के बाद लेबनान पर हुआ यह सबसे बड़ा हमला है। लेबनान में बुधवार, 25 सितंबर तक के लिए स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है।

इजराइल ने लेबनान में चलाए जा रहे ऑपरेशन को नॉर्दर्न एरोज नाम दिया है। आईडीएफ का दावा है कि हिजबुल्लाह दक्षिणी लेबनान में घरों में मिसाइलें छुपाकर रखता है जिन्हें लगभग एक साल से इजराइल में दागा जा रहा है। वहीं, ह चीफ एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वे नहीं चाहते लेबनान दूसरा गाजा बन जाए। दूसरी तरफ लेबनान से पलटवार की आशंकाओं के बीच इजराइल में एक हफ्ते की इमरजेंसी लगाई गई है। रक्षा मंत्री योव गलांट के कहने पर इमरजेंसी पर कैबिनेट के मंत्रियों ने फोन से वोटिंग की।

इजराइल ने पहले मैसेज भेजा, फिर हमले किए इजराइली सेना ने हिजबुल्लाह के ठिकाने के करीब रहने वाले लोगों को तुरंत अपने घरों को छोड़ने की चेतावनी दी थी। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, आईडीएफ प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी किया था। हगारी ने लेबनान के नागरिकों को खतरे वाले इलाके से दूर चले जाने को कहा था। उन्होंने कहा था, इजराइली सेना हिजबुल्लाह के खिलाफ और घातक हमले करने जा रही है। हिजबुल्लाह ने घरों और इमारतों में हथियार जमा कर रखे हैं। आप ऐसी इमारत में हैं जहां हथियार हैं तो जल्द से जल्द उसको छोड़ दें। इस मैसेज को लेबनान के सभी नेटवर्क और प्लेटफॉर्म पर अरबी में भेजा जा रहा है।

नेतन्याहू की लेबनान के लोगों से फिर अपील : हमलों के कुछ घंटों बाद, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनानी लोगों से संपर्क किया और उनसे हिजबुल्लाह के लिए मानव ढाल न बनने का अनुरोध किया। नेतन्याहू ने अपने संदेश में कहा कि उनका निशाना हिजबुल्लाह हैं क्योंकि उसने हमारी उत्तरी सीमा में लगातार हमलों से इजरायली लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। उत्तरी सीमा पर रह रहे लोग लगातार पलायन कर रहे हैं। हमारा काम उन्हें फिर से उनका घर देना है। इसके लिए हिजबुल्लाह को मिटाना जरूरी है।

इजरायल में भी इमरजेंसी : हिजबुल्लाह के तजे होते संघर्ष को देखते हुए इजरायल सरकार ने भी देशभर में हफ्तेभर की इमरजेंसी घोषित कर दी है। रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के प्रस्ताव के बाद सोमवार शाम को यह घोषणा की गई। इस निर्णय को होम फ्रंट कमांड को बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर जारी किया गया है। इमरजेंसी आगामी 30 सितंबर तक जारी की गई है। घोषणा में कहा गया है, संघर्ष में हाल के घटनाक्रमों और पूरे देश में नागरिकों पर हमलों की उच्च संभावना के कारण यह निर्णय लिया गया है। ईरान बोला- हमें भड़काना चाहता है इजरायल दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह को निशाना बनाकर किए गए व्यापक इजरायली हवाई हमलों में सोमवार को कम से कम 492 लोग मारे गए और 1,645 से अधिक घायल हो गए। इजरायल ने चेतावनी दी है कि समूह के खिलाफ हमले बढ़ेंगे और लेबनानी नागरिकों को उन क्षेत्रों से भागने की चेतावनी दी गई है जहां ईरान समर्थित आतंकवादी समूह के हथियार छिपाने की आशंका है। इस बीच ईरान का आरोप है कि इजरायल तेहरान को भड़काने के लिए हमले कर रहा है। ईरान ने इजरायल को अंजाम भुगतने की धमकी दी है। रेडियो स्टेशन हैक किया, घर छोड़कर जाने को कहा सीएनएन के मुताबिक एक लेबनानी रेडियो स्टेशन को हैक कर लिया गया था। इसके बाद साउथ लेबनान से लोगों को सुरक्षित जगहों पर चले जाने कहा। रेडियो स्टेशन वॉयस ऑफ लेबनान ने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। लेबनान की टेलिकॉम कंपनी ने कहा कि सोमवार को देशभर में 80 हजार लोगों को अनजान नंबर से ऑटोमेटिक कॉल गए। इसमें लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने को कहा गया था। कंपनी ने कहा कि ये कॉल कहां से किए गए इसका पता नहीं चल पाया।

कमला हैरिस ने न्यूयॉर्क में 27 मिलियन डॉलर का फंड जुटाया

न्यूयॉर्क, एजेंसी। इवेंट सिप्रियानी वॉल स्ट्रीट में आयोजित किया गया था। इसमें भारी भीड़ उमड़ी थी। ट्रंप ने कमला हैरिस

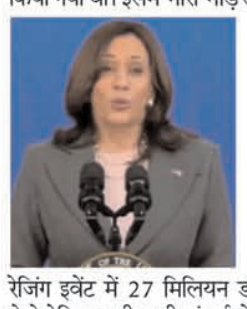

के खिलाफ दूसरी बहस करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में मतदान शुरू हो चुका है इसलिए देर हो चुकी है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने न्यूयॉर्क शहर के एक फंड रेजिंग इवेंट में 27 मिलियन डॉलर जुटा लिए हैं। ये रकम डेमोक्रेटिक उम्मीदवारी कंफर्म होने के बाद से सबसे बड़ा फंड है। यह बड़ी रकम उनके पिछले रिकॉर्ड को पार कर गई है और पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार 78 वर्षीय डोनाल्ड ट्रम्प के खिलाफ चल रहे राष्ट्रपति अभियान में उनकी वित्तीय ताकत को रेखांकित करती है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 5 नवंबर को होने वाला है। इस तारीख में अब सिर्फ़ 43 दिन बचे हैं। 5 नवंबर को अमेरिकी मतदाता अपना अगला राष्ट्रपति चुनेंगे। जुलाई में राष्ट्रपति जो बाइडेन द्वारा राष्ट्रपति पद की दौड़ से हटने के बाद हैरिस ने डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से मोर्चा संभाला और ट्रंप को कड़ी टक्कर देती नजर आ रही हैं। ये इवेंट सिप्रियानी वॉल स्ट्रीट में आयोजित किया गया था। इसमें भारी भीड़ उमड़ी थी। ट्रंप ने कमला हैरिस के खिलाफ दूसरी बहस करने से मना कर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों में मतदान शुरू हो चुका है इसलिए देर हो चुकी है। 5 नवंबर को चुनाव होने वाले हैं। हैरिस के अभियान ने कहा कि कमला ने बहस में भाग लेने के लिए सीएनएन के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। एसोसिएटेड प्रेस-एनओआरसी सेंटर फॉर पब्लिक अफेयर्स रिसर्च' के एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, जब कमला हैरिस जुलाई 2024 में राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ में शामिल हुई थीं तब के मुकाबले अब उन्हें मतदाताओं का ज्यादा समर्थन मिलता दिख रहा है। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस को अब नकारात्मक की बजाय सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं जबकि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की रेटिंग इस सर्वेक्षण में स्थिर रही, हालांकि यह सर्वेक्षण रविवार को फ्लोरिडा में डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की साजिश की घटना से पहले किया गया है।

पाक सेना का चमचा लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद आसिम मलिक आईएसआई का नया प्रमुख नियुक्त

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सेना का चमचा कहे जाने वाले लेफ्टिनेंट जनरल मुहम्मद आसिम मलिक को पाकिस्तान की गुप्तचर एजेंसी- इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस का नया महानिदेशक नियुक्त किया गया है। सरकारी टेलीविजन ने सोमवार को यह घोषणा की। लेफ्टिनेंट जनरल मलिक वर्तमान में रावलपिंडी स्थित सैन्य मुख्यालय में एक सहायक जनरल के रूप में कार्यरत हैं। वह 30 सितंबर को अपना नया कार्यभार संभालेंगे और मौजूदा महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम की जगह लेंगे। आईएसआई प्रमुख की नियुक्ति प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है, लेकिन परंपरा के अनुसार वह सेना प्रमुख के परामर्श से इस शक्ति का प्रयोग करते हैं। आईएसआई प्रमुख का पद पाकिस्तानी सेना में सबसे महत्वपूर्ण पदों में से एक माना जाता है, जिसने देश के 77 से अधिक वर्षों के अस्तित्व में आधे से अधिक समय तक शासन किया है तथा सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में अब तक काफी शक्ति का प्रयोग किया है। लेफ्टिनेंट जनरल मलिक ने पूर्व में बलूचिस्तान में इन्फैंट्री डिवीजन और वजीरिस्तान में इन्फैंट्री ब्रिगेड की कमान संभाली थी। उन्हें अपने पाठ्यक्रम में 'स्वोर्ड ऑफ ऑनर भी मिला है और उन्होंने नेशनल डिफेंस यूनिवर्सिटी में मुख्य प्रशिक्षक के साथ-साथ कमांड एंड स्टाफ कॉलेज क्वेटा में प्रशिक्षक के रूप में भी सेवा दी है।

क्वाड शिखर सम्मेलन में 'फूट डालो और राज करो' की रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया गया: चीनी मीडिया

बीजिंग, एजेंसी। चीन की सरकारी मीडिया ने क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) पर बीजिंग और उसके पड़ोसियों के बीच मतभेद पैदा करने के लिए 'फूट डालो और राज करो' की रणनीति अपनाने का रविवार को आरोप लगाया। चार सदस्यीय समूह के शिखर सम्मेलन में हिंद-प्रशांत साझेदारी का विस्तार करने का निर्णय लेने के एक दिन बाद यह आरोप लगाया गया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की मेजबानी में क्वाड नेताओं का शिखर सम्मेलन शनिवार को उनके गृह नगर विलमिंगटन, डेलावेयर में हुआ। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने भाग लिया। चीन की सरकारी मीडिया ने कहा कि इस सम्मेलन में चीन को नियंत्रित करने की रणनीति पर ध्यान केंद्रित किया गया था। चीन के विदेश मंत्रालय ने हालांकि शिखर सम्मेलन पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन हांगकांग के 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' ने अपनी खबर में कहा कि किसी भी मायने में, क्वाड शिखर सम्मेलन अपने 17 साल के इतिहास के दौरान चार देशों के ढांचे के लिए एक उल्लेखनीय बदलाव का संकेत है। सरकारी अखबार 'चाइना डेली' के संपादकीय में कहा गया है, ''बाइडन प्रशासन ने यह समझाने के लिए बहुत प्रयास किये कि क्वाड ने अपने ''हिंद-प्रशांत'' क्षेत्र के साझेदारों की प्राथमिकताओं को कैसे पूरा किया है।'' रविवार देर

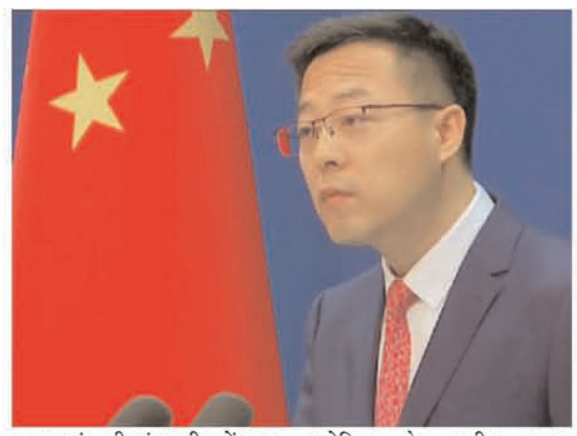

शाम यहां जारी संपादकीय में कहा गया है, ''चारों नेताओं के संयुक्त वक्तव्य या शिखर सम्मेलन के तथ्य पत्र में चीन का हालांकि कोई उल्लेख नहीं है लेकिन शिखर सम्मेलन के समापन के बाद अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन द्वारा आयोजित आधे घंटे के संवाददाता सम्मेलन में चीन का कम से कम 20 बार उल्लेख किया गया। इसमें कहा गया है, ''अमेरिका हालांकि एशिया-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते तनाव के लिए चीन को दोषी ठहराता है, लेकिन क्वाड के अन्य तीन सदस्यों समेत सभी क्षेत्रीय देश अच्छी तरह जानते हैं कि इसका मुख्य कारण अमेरिका द्वारा इस क्षेत्र में 'फूट डालो और राज करो' की रणनीति को लागू करना है, जिसके तहत वह चीन और उसके पड़ोसियों के बीच मतभेद पैदा करने के लिए हर संभव उपाय कर रहा है।'' इसमें कहा गया है कि इस प्रक्रिया में, वाशिंगटन को यह एहसास हो गया है कि क्वाड अन्य तीन सदस्य देशों को अपने साथ नहीं जोड़ सकता है और न ही अन्य क्षेत्रीय देशों को आकर्षित कर सकता है, क्योंकि उन सभी के चीन के साथ घनिष्ठ और व्यापक व्यापारिक, आर्थिक और सांस्कृतिक संबंध हैं।

यूक्रेन के अनुरोध पर जेलेंस्की से फिर मिले पीएम मोदी, 3 महीने में तीसरी मुलाकात

वाशिंगटन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी तीन दिवसीय अमेरिकी यात्रा के अंतिम दिन सोमवार (स्थानीय समय) को न्यूयॉर्क में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। पीएम मोदी और जेलेंस्की के बीच तीन महीने में यह तीसरी मुलाकात है। एक महीने पहले ही पीएम मोदी ने यूक्रेन का दौरा किया था और जेलेंस्की से मुलाकात की थी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह बैठक यूक्रेनी पक्ष के अनुरोध पर आयोजित की गई थी। दोनों शीर्ष नेताओं के बीच लंबी बातचीत हुई। पीएम मोदी ने जेलेंस्की से मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जारी भी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय अमेरिका दौरा पूरा करके नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। इससे पहले उन्होंने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडोमिर जेलेंस्की से मुलाकात की। बैठक के बाद पीएम मोदी न सोशल मीडिया पर लिखा, न्यूयॉर्क में राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की। हम द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए पिछले महीने यूक्रेन की मेरी यात्रा के परिणामों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यूक्रेन में संघर्ष के शीघ्र समाधान

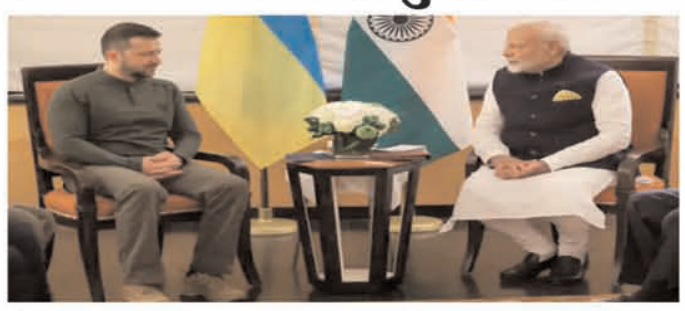

और शांति एवं स्थिरता की बहाली के लिए भारत ने अपने समर्थन को दोहराया है।

पीएम मोदी और जेलेंस्की में क्या हुई बात : एएनआई द्वारा साझा किए गए वीडियो में पीएम मोदी और जेलेंस्की गले मिलते और हाथ मिलाते हुए दिखाई दे रहे हैं। 18 सेकंड के इस वीडियो क्लिप में विदेश मंत्री एस जयशंकर भी द्विपक्षीय बैठक में मौजूद दिख रहे हैं। जेलेंस्की ने यूक्रेन संघर्ष के प्रति भारत के ध्यान और शांति लाने के लिए पीएम मोदी के प्रयासों की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने जेलेंस्की से मुलाकात के दौरान इस बात पर ज़ोर दिया कि वे हमेशा शांति के पक्षधर रहे हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने कई विश्व नेताओं से बात की है, जो इस बात पर सहमत हैं कि युद्ध समाप्त होना चाहिए और इसका समाधान निकाला जाना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की जेलेंस्की के साथ बैठक इसलिए भी महत्वपूर्ण बताई जा रही है, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन भी पीएम मोदी की यूक्रेन यात्रा की सराहना कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र के एक सम्मेलन में कहा कि मानवता की सफलता युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि सामूहिक शक्ति में निहित है। यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि तीन महीनों में पीएम मोदी और जेलेंस्की तीसरी बार मिले हैं।

सुनीता विलियम्स ने रचा इतिहास, बनीं आईएसएस की कप्तान; दूसरी बार मिली कमान

वाशिंगटन, एजेंसी। एक ओर जहां धरती पर एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स को वापस कवायद जारी है। वहीं, अंतरिक्ष में उन्हें नई जिम्मेदारी सौंप दी गई है। खबर है कि विलियम्स को द्रुस्त यानी अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन की कमान सौंपी गई है। खास बात है कि इससे पहले भी वह यह जिम्मेदारी संभाल चुकी हैं। वह साथी एस्ट्रोनॉट बुच विलमोर के साथ 5 जून, 2024 से ही स्पेस स्टेशन पर हैं। बोइंग स्टारलाइनर में तकनीकी खराबी आने के कारण विलियम्स की यह अंतरिक्ष यात्रा लंबी हो गई थी। कहा जा रहा है कि उनकी वापसी फरवरी 2025 तक टल गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने ऐलान किया है कि रूसी कॉस्मोनॉट ओलेक कोनोनेंको ने स्पेस स्टेशन की कमान विलियम्स को सौंप दी है। इसे लेकर स्पेस स्टेशन पर छोटा कार्यक्रम भी आयोजित हुआ था। अंतरिक्ष में 374 दिन बिताने के बाद वापस रूस के कोनोनेंको और निकोलाइ चुब और एक अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री ट्रेसी सी डायसन धरती पर लौट आए हैं। डायसन 6 महीने अंतरिक्ष में रहीं। दो रूसी और एक अमेरिकी नागरिक को लेकर सोयूज कैप्सूल सोमवार को कजाकिस्तान में उतरा। इसके साथ ही रूस के दोनों अंतरिक्ष यात्रियों का लंबा प्रवास समाप्त हो गया। आईएसएस से अलग होने के लगभग साढ़े तीन घंटे बाद कैप्सूल कजाकिस्तान के मैदान पर उतरा। धरती पर वापसी के अंतिम चरण में

लाल और सफेद पैराशूट के खुलने के साथ यह कैप्सूल लगभग 7.2 मीटर प्रति सेकंड की गति से उतरा। सुनीता विलियम्स ने दूसरी बार संभाली कमान इससे पहले करीब 12 साल पहले यानी 2012 में एक्सपीडीशन 33 के दौरान विलियम्स ने स्पेस स्टेशन की कमान संभाली थी। स्पेस स्टेशन की कमान होने के नाते भारतवंशी अंतरिक्ष यात्री के पास कई अहम ऑपरेशन और साइंटिफिक रिसर्च का काम संभालेंगी। कार्यक्रम के दौरान विलियम्स ने कहा, एक्सपीडीशन 71 ने हमें काफी कुछ सिखाया है...। आपने मुझे और बुच को अपनाया। जबकि, यह प्लान का हिस्सा भी नहीं था। आपने परिवार की तरह हमारा स्वागत किया।

पाकिस्तानी नेता अल्ताफ हुसैन का दावा- देश में संसद का कोई महत्व नहीं, सेना है एक मात्र सत्ता

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान के एक राजनीतिक दल मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के संस्थापक और नेता अल्ताफ हुसैन पाकिस्तान आर्मी को लेकर लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने दावा किया कि, देश की संसद स्वायत्त नहीं है, न्यायपालिका में स्वतंत्रता का अभाव है, और पाकिस्तान में सेना ही एकमात्र सत्ता है। पाकिस्तान में लोग शर्म से विवश हैं अपने 71वें जन्मदिन के अवसर पर लंदन में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए मुस्लिम नेता अल्ताफ हुसैन ने दावा कि पाकिस्तान में संसद का कोई दर्जा नहीं है। असली ताकत सेना के पास है। लोग शर्म से विवश हैं। लोगों पर अन्यायपूर्ण अत्याचार करने वाली ताकतों के खिलाफ जिहाद छेड़ना जायज और जरूरी है। मुस्लिम नेता अल्ताफ हुसैन का यह कार्यक्रम उत्तरी लंदन के बर्न्ट ओक के एक स्थानीय हॉल में आयोजित किया गया था। इसमें लंदन, बर्मिंघम, मैनचेस्टर, ब्रैडफोर्ड, लीसेस्टर, ब्राइटन और अन्य शहरों से सैकड़ों लोग शामिल हुए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में पंजाबी, पख्तून, बलूच, सिंधी, सरायकी या मुहाजिर जैसी जातीय पृष्ठभूमि के अस्तित्व को नकारना वास्तविकता को झुठलाना है। उन्होंने कहा, यह पहचान एक प्राकृतिक तथ्य है, न कि कोई मानवीय रचना और इसे नकारना भगवान के अस्तित्व का ना मानने के समान है। लेकिन इसका उद्देश्य कभी भी पहचान के आधार पर घृणा, उत्पीड़न को बढ़ावा देना या दूसरों को पीड़ा पहुंचाना नहीं होना चाहिए।

पूरे पंजाब ने मुझे देशद्रोही और भारतीय एजेंट बताया जा रहा है : अल्ताफ हुसैन ने उन लोगों पर भी हमला किया जिन्होंने उन्हें देशद्रोही

करार दिया है। अल्ताफ हुसैन ने कहा कि, पूरे पंजाब ने मुझे देशद्रोही और भारतीय एजेंट बताया जा रहा है। इसी तरह साई जीएम सैयद, बाचा खान, शेख मुजीब उर रहमान और बलूच विरोधियों को भी देशद्रोही करार दिया जा रहा है। जब उन्होंने (विरोधियों) इमरान खान पर देशद्रोही और यहूदी एजेंट होने का आरोप लगाया तो लोगों की भी यही भावनाएं थीं। पाक सेना सिर्फ पंजाबी और पठान की है पाकिस्तानी नेता ने कहा कि, पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा की जनता ने इमरान खान को देशद्रोही और यहूदी एजेंट मानने से इनकार कर दिया, क्योंकि उनके दिमाग में यह बात बैठ गई थी कि पंजाबी और पठान देशद्रोही नहीं हो सकते हैं। हुसैन ने कहा कि सेना में मुख्य रूप से 80 प्रतिशत पंजाबी और 20 प्रतिशत पश्तून हैं। उन्होंने पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) को दिग्गजों का पूर्वज बताया और आसिफ अली जरदारी को पूरे देश को प्रभावित करने वाली बीमारी करार दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी को भी पहचान के आधार पर परेशान नहीं किया जाना चाहिए और न ही किसी उत्पीड़क का समर्थन सिर्फ इसलिए करना चाहिए क्योंकि उनकी पहचान एक जैसी है। उन्होंने दावा किया कि इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद उन पर लगाए गए आरोप पहले ही तय कर दिए गए थे। उन्होंने कहा कि उनकी एकमात्र गलती यह थी कि उन्होंने खुलकर कहा था कि पुरातन सामंती व्यवस्था देश की सबसे बड़ी समस्या है। हुसैन ने कहा कि पाकिस्तान को अनेक परीक्षणों का सामना करना पड़ा है। देश को लूटने वाली ताकतों के खिलाफ जिहाद का आगाज अल्ताफ हुसैन ने कहा, इस समय की सबसे बड़ी मांग यह है कि, हम अपनी पहचान को बनाए रखने के लिए एकजुट रहें और 77 वर्षों से देश को लूटने वाली ताकतों के खिलाफ जिहाद का आगाज करें। देश को उनके चंगुल से मुक्त कराना होगा और वंचितों और उत्पीड़ितों को उनके अधिकार प्रदान करने होंगे। इसे हासिल करने के लिए हमें पहचान के आधार पर नफरत से बचना होगा।

रैली में संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा

कांग्रेस आई तो हरियाणा को बर्बाद कर देगी

सोनीपत ।

हरियाणा चुनाव को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने सोनीपत के गोहाना में रैली की। रैली में मोदी ने कहा कि अगर यहां कांग्रेस की सरकार आई तो हरियाणा को बर्बाद कर देगी। यहां कांग्रेस में सिर-फुटौव्वल मचा हुआ है।

कर्नाटक में इनके सीएम और डिप्टी सीएम लड़ रहे हैं। यही हाल हिमाचल और तेलंगाना में भी है। यहां कांग्रेस को लाने का मतलब हरियाणा का विकास दांव पर लगाना है।

मोदी ने 10 साल पहले पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा की अगुआई वाली कांग्रेस सरकार के वक्त दलितों पर अन्याय का मुद्दा उठाया। इसके अलावा बिना नाम लिए सिरसा सांसद कुमारी सैलजा के साथ कांग्रेस में हो रहे व्यवहार पर भी सवाल खड़े किए। मोदी ने कश्मीर में धारा 370 के बारे में बोलते हुए कहा कि कांग्रेस को शांति पसंद नहीं, इसलिए इसे वापस लाना चाहती है।

कांग्रेस आतंक और अलगाववाद को हवा देना चाहती है। मोदी ने कहा कि हरियाणा के युवाओं और किसानों का भविष्य भाजपा सरकार में ही सुरक्षित है। पिछले 10 साल में यहां की सरकार पर भ्रष्टाचार के कोई आरोप नहीं हैं। मोदी बोले कि किसानों के फायदे के लिए विदेश से आयात होने वाले तेल पर टैक्स लगा दिया है।

कांग्रेस का शाही परिवार सबसे भ्रष्ट

मोदी ने कांग्रेस को भ्रष्टाचार को पालने-पोसने वाली बताते हुए कहा कि कांग्रेस का शाही परिवार देश में सबसे भ्रष्ट है। कांग्रेस ने जहां कदम रखा, वहां करप्शन और भाई-भतीजावाद पक्का है। प्रदेश की 90 विधानसभा सीटों पर 5 अक्टूबर को होने वाली वोटिंग को लेकर यह उनकी दूसरी रैली थी। इससे पहले वे 14 सितंबर को कुरूक्षेत्र में आ चुके हैं। इसके बाद हिसार और पलवल में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली होनी है। पीएम की यह रैली हरियाणा के जाटलैंड में हुई। जिसे पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा का गढ़ माना जाता है। इस इलाके में हार-जीत का फैसला जाट वोटर करते हैं, इसी वजह से भाजपा ने पार्टी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए उनकी रैली रखवाई थी।

लगातार तीसरी बार हरियाणा में कमल खिलाना है

हरियाणा भाजपा का संकल्प पक्की गारंटी होता है। भाजपा जो कहती है वह करके दिखाती है। हरियाणा में भी हर वायदे तेजी से जमीन पर उतरकर रहेंगे। आपके घर तक पहुंचेंगे, इसलिए पांच अक्टूबर को हमारे इन सभी उम्मीदवारों को भारी मतों से विजयी बनाना है। लगातार तीसरी बार हरियाणा में कमल खिलाना है।

कांग्रेस ने कभी बेटियों की चिंता नहीं की

कांग्रेस ने 60 साल देश पर राज किया लेकिन उसे कभी देश की बेटियों की चिंता नहीं हुई। जब मैं आया तब मैंने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान शुरू किया, जिससे हरियाणा को फायदा हुआ। पहले 1000 बेटों पर 866 बेटियां थी, लेकिन अब 1000 पर 914 बेटियां हैं।

हमने ओबीसी वर्ग से मुख्यमंत्री बनाया

भाजपा ने वंचित और पिछड़े समाज को हरियाणा में यहां आगे बढ़ाया है। हमारे ओबीसी वर्ग से आने वाले नायब सैनी को भाजपा ने मुख्यमंत्री बनाया।

नायब सैनी एक किसान-मजदूर का बेटा है। इनके दरवाजे लोगों के लिए चौबीस घंटों के लिए खुले रहते हैं। कांग्रेस सरकार अस्थिरता के लिए भी जानी जाती है।

सीजेआई ने जज की माफी की स्वीकार और दी सख्त हिदायत.......कमेंट करते वक्त लापरवाही ना दिखाएं

-भारत के हिस्से को पाकिस्तान कहने का मामला

नई दिल्ली ।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को जजों को सख्त हिदायत दी कि वे किसी समुदाय पर कमेंट करते वक्त लापरवाही ना दिखाए। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच कर्नाटक हाईकोर्ट के जज के विवादित कमेंट का मामला सुन रही थी।

इसमें जज ने बेंगलुरु के एक हिस्से को पाकिस्तान कह दिया था। सीजेआई ने कहा कि आप देश के किसी हिस्से को पाकिस्तान नहीं कह सकते हैं। यह देश की एकता के मौलिक सिद्धांत के खिलाफ है। दरअसल कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस वी श्रीशनंदा के कमेंट का वीडियो वायरल हो रहा था, इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने खुद मामले की सुनवाई शुरू की। वीडियो वायरल होने के बाद कर्नाटक हाईकोर्ट ने बिना इजाजत के कार्यवाही की लाइव स्ट्रीमिंग पर रोक लगा दी थी। इस पर सीजेआई ने कहा, कोर्ट की प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लाने के लिए ज्यादा से ज्यादा प्रकाश में लाने की जरूरत है। कोर्ट में जो कुछ भी होता है, उस दबाना नहीं चाहिए। इसके बाद जस्टिस श्रीसनंदन ने सुप्रीम कोर्ट से माफी मांग ली। लापरवाह तरीके से किए गए कमेंट किसी व्यक्ति का पक्षपात पूर्ण नजरिया बताते हैं, खासतौर से तब जब ये कमेंट किसी जेंडर या कम्युनिटी पर किए गए हों। सुनवाई के दौरान जज इसतरह के कमेंट से बचें, जो किसी समुदाय के खिलाफ हों या समुदाय को नुकसान पहुंचाने वाला कमेंट हो। कर्नाटक हाईकोर्ट के जज केस में पार्टी नहीं थे, हम अभी और कुछ नहीं कहेंगे, लेकिन समुदाय और जेंडर पर किए गए कमेंट को लेकर हमारी चिंता गंभीर है। कोर्ट की भी और पूरी न्यायिक व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। इस केस को हम बंद कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि न्याय की आत्मा ही निष्पक्ष और न्यायसंगत होना है। हर जज को अपने झुकाव का ध्यान होना चाहिए। इसी जागरूकता के आधार पर हम ईमानदारी से निष्पक्ष और न्याय संगत फैसला दे सकते हैं। हम इस बात पर इसलिए जोर दे रहे हैं, क्योंकि हर किसी को यह समझना जरूरी है कि फैसला सुनाने के पीछे सिर्फ वही मूल्य होने चाहिए, जिनका जिक्र भारतीय संविधान में किया गया है।

हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस पर 2,500 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी का आरोप

नई दिल्ली । हिंदुजा समूह की कंपनी हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस (एचजीएस) के ऊपर करीब 2,500 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी का आरोप लगा है। आयकर विभाग ने करीब 9 माह चली जांच के बाद आंतरिक रिपोर्ट में यह आरोप लगाया है। रिपोर्ट के अनुसार, आयकर विभाग ने संबंधित इंटरनल रिपोर्ट को इस माह की शुरुआत में दाखिल किया है। विभाग पिछले 9 माह से मामले की जांच कर रहा था। जांच में आयकर विभाग ने पाया कि एचजीएस ने टैक्स चोरी करने के लिए घाटे में चल रही एक एंटिटी को मर्ज किया, जबकि हेल्थकेयर बिजनेस को फायदे के साथ डाइवेस्ट किया गया। हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस ने अपना हेल्थकेयर बिजनेस बीटाइन बी.वी की पूर्ण स्वामित्व वाली सब्सिडियरीज को बेच दिया था, जो बेयरिंग प्राइवेट इक्विटी एशिया से जुड़ा फंड है। बाद में उसे हिंदुजा ग्लोबल सॉल्यूशंस की डिजिटल मीडिया एंड कम्युनिकेशन बिनेस यूनिट एनएक्सटी डिजिटल के साथ मर्ज किया गया। विभाग का कहना है कि एनएक्सटी डिजिटल घाटे में चल रही कंपनी थी और मर्जर पूरी तरह से टैक्स बचाने के लिए किया गया था। रिपोर्ट में विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से बताया गया कि जांच पूरी हो गई है। जांच में पाया गया हैं कि मर्जर का उद्देश्य सिर्फ टैक्स बचाना था। इसकारण जीएएआर के तहत 1,500 करोड़ रुपए की और 1000 करोड़ रुपए के कैपिटल गेन की

डिमांड की गई है। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने इस संबंध में कंपनी के परिसर का नवंबर 2023 में सर्वे किया था। कंपनी का कहना है कि उसे इस तरह का कोई नोटिस नहीं हुआ है। कंपनी का मानना है कि जिस मर्जर की बात हो रही है, वह पूरी तरह से नियमों व कानूनों के हिसाब से है।

महाराष्ट्र में कांग्रेस का स्ट्राइक रेट बेहतर.......लोकसभा चुनाव में समीकरण बदला

पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण का बयान

मुंबई ।

महाराष्ट्र में कांग्रेस की अंतिम सरकार के अगुवा रहे पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने बताया कि इंडिया गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में महा विकास अघाड़ी के लिए 32 सीटें जीतने का अनुमान जताया था और हम 31 सीटें जीते। इसके साथ उन्होंने विधानसभा चुनाव में जीत का विश्वास व्यक्त किया। चव्हाण ने कहा कि इंडिया का गठन यह बताता है कि कांग्रेस पुरानी गल्तियों से सीख लेकर आगे बढ़ रही है। सीएम चेहरे को लेकर एमवीए में चल रही रार पर उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में यह परंपरा रही है कि जो सबसे बड़ी पार्टी होती है, सीएम उसका ही बनता है। चव्हाण ने उद्धव ठाकरे को 2019 में इसी फॉर्मूले के तहत सीएम नियुक्त किया गया। तब शिवसेना सबसे बड़ी पार्टी थी। पूर्व सीएम ने कहा कि कांग्रेस नेतृत्व और राहुल गांधी को इस पर फैसला लेना है। एमवीए में मतभेद को लेकर पूर्व सीएम ने कहा कि हम कॉमन घोषणापत्र , कॉमन चुनाव रणनीति के साथ चुनाव मैदान में उतरने को तैयार है। सीट बंटवारे को लेकर सवाल पर चव्हाण ने कहा कि पिछले चुनाव में कांग्रेस का स्ट्राइक रेट काफी अच्छा रहा था। उन्होंने मराठवाड़ा से लेकर विदर्भ तक अलग-अलग रीजन गिनाकर कहा कि हम गठबंधन में जूनियर पार्टनर के रूप में आए थे लेकिन लोगों ने समीकरण को बदल दिया है। पूर्व सीएम ने कहा कि हम लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरे।

राहुल गांधी ने कहा- मोदी सरकार अडानी और अंबानी जैसे अरबपतियों के लिए चलती

जम्मू ।

जम्मू-कश्मीर में जनसभा को संबोधित कर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा जम्मू-कश्मीर को वहां के लोग नहीं चलाते हैं, आज जम्मू-कश्मीर को दूसरे राज्य के लोग चलाते हैं...कांग्रेस ने सोचा था कि चुनाव से पहले आपको राज्य का दर्जा वापस मिले और यह सही तरीका होता...लेकिन पहले चुनाव करा दिए...हम चाहते हैं कि जल्द से जल्द जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा आपको वापस मिले। राहुल गांधी ने कहा आज देश की सरकार अडानी और अंबानी जैसे अरबपतियों के लिए चलती है। जीएसटी एक हथियार है, जिससे जम्मू-कश्मीर के छोटे और मध्यम कारोबार पर हमला किया गया। सच्चाई यही है कि नोटबंदी और गलत जीएसटी ने देश के लाखों बिजनेस खत्म कर दिए। मोदी सरकार ने अडानी-अंबानी जैसे लोगों का 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया है। लेकिन..जम्मू-कश्मीर के किसानों, छोटे व्यापारियों, एजुकेशन लोन लेने वाले युवाओं या अस्पताल में इलाज करवा रहे गरीबों का

एक रुपया भी माफ नहीं किया। जब आप बैंक लोन लेकर पैसा वापस नहीं करते, तब आपको जेल में डाल दिया जाता है। वहीं अडानी-अंबानी को और कर्ज दे दिया जाता है। राहुल गांधी ने कहा नरेंद्र मोदी मेक इन इंडिया की बात करते हैं, लेकिन सारे के सारे कॉन्ट्रैक्ट अडानी को मिल जाते हैंद्य हथियार और ड्रोन इजराइल की कंपनी बनाती है, लेकिन उस पर लेबल अडानी का लगाकर मेक इन इंडिया कहते हैंद्य राहुल ने कहा जम्मू यहां का सेंट्रल हब है.. जो कश्मीर के बिजनेस और प्रोडक्शन को पूरे देश से जोड़ता है। लेकिन बीजेपी सरकार ने इस सेंट्रल हब के रोल को खत्म कर दिया।

'मेक इन इंडिया' 10वीं सालगिराह: आंदोलन को सफल बनाने वालों को पीएम ने दी बधाई

नई दिल्ली।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने अपनी सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मेक इन इंडिया' की 10वीं सालगिराह पर बुधवार को कहा कि इससे कई क्षेत्रों में निर्यात बढ़ा है, क्षमता का निर्माण हुआ है और अर्थव्यवस्था भी मजबूत हुई है। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि आज हम मेक इन इंडिया के दस साल का जश्न मना रहे हैं। मैं उन सभी को बधाई देता हूं जो पिछले दशक के दौरान इस आंदोलन को सफल बनाने के लिए भरपूर कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मेक इन इंडिया देश को विनिर्माण और नवाचार का पावरहाउस बनाने के लिए 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह ध्यान देने वाली बात है कि इन दस सालों में कई क्षेत्रों में निर्यात कैसे बढ़ा है, क्षमता निर्माण हुआ है और अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार हरसंभव तरीके से मेक इन इंडिया को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सुधारों में भारत की प्रगति भी जारी रहेगी।

हम सब मिलकर आत्मनिर्भर और विकसित भारत का निर्माण करेंगे।

देश में निर्माण को बढ़ावा देने और संवर्धन के लिए पीएम मोदी ने 25 सितम्बर 2014 को मेक इन इंडिया कार्यक्रम की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य भारत को महत्वपूर्ण निवेश एवं निर्माण, संरचना तथा अभिनव प्रयोगों के वैश्विक केंद्र के रुप में विकसित करना था। मेक इन इंडिया मुख्यत- निर्माण क्षेत्र पर केंद्रित है लेकिन इसका उद्देश्य देश में उद्यमशीलता को बढ़ावा देना भी है। इसका दृष्टिकोण निवेश के लिए माहौल बनाना, आधुनिक और कुशल बुनियादी संरचना, विदेशी निवेश के लिए नए क्षेत्रों को खोलना और सरकार और उद्योग के बीच एक साझेदारी का निर्माण करना है।

तिरुपति लड्डू प्रसाद में मिलावट: टीटीडी ने घी सप्लाई करने वाली कंपनी के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर

तिरुपति ।

तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसिद्ध लड्डू प्रसाद में कथित मिलावट के मामले में तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने एआर डेयरी फूड प्राइवेट लिमिटेड, डिंडीगुल के खिलाफ एफआईआर एफआईआर दर्ज कराई है। टीटीडी ने यह शिकायत ईस्ट पुलिस थाने में की है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि डेयरी द्वारा सप्लाई किए गए घी में पशु चर्बी की मिलावट पाई गई है।

सरकार ने इस गंभीर मामले की जांच के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया है। वहीं, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने तमिलनाडु स्थित एआर डेयरी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। एफएसएसएआई के मुताबिक, घी के चार सैंपल्स में पशु चर्बी की मिलावट पाई गई थी। तिरुपति बालाजी मंदिर के प्रसाद में मिलावट का मामला पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका के रूप में लंबित है। यह याचिका बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी द्वारा दायर की गई थी, जिसमें उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा लगाए गए मिलावट के आरोपों की जांच की मांग की थी।

वही, एफएसएसएआई ने एआर डेयरी फूड प्राइवेट लिमिटेड से स्पष्टीकरण मांगा है कि खाद्य सुरक्षा एवं मानक (खाद्य उत्पाद मानक और खाद्य योजक) विनियमन, 2011 के प्रावधानों के उल्लंघन के लिए कंपनी का केंद्रीय लाइसेंस निलंबित क्यों न किया जाए। एफएसएसएआई की जांच में पाया गया कि घी का नमूना मानकों के अनुरूप नहीं था। टीटीडी की घी

खरीद समिति ने सभी सैंपल्स को जांच के लिए गुजरात स्थित लैब में भेजा। जांच में पाया गया कि घी की गुणवत्ता घटिया थी और उसमें पशु चर्बी की मिलावट पाई गई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस मिलावट का खुलासा किया था, जबकि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगनमोहन रेड्डी ने इसे राजनीति से प्रेरित आरोप बताया था।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने मोदी सरकार पर लगाया आरोप

विवादास्पद कानूनों को लागू करने की तैयारी में केंद्र सरकार

नई दिल्ली ।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने भाजपा का कड़ा विरोध किया। इसके चलते उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा कि किसान आंदोलन के दौरान 750 किसानों की शहादत के बावजूद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को अपने कार्यों का अहसास नहीं हुआ है। अब तीन विवादास्पद किसान कानूनों को फिर से लागू करने की बात की जा रही है, जिसपर कांग्रेस पार्टी ने कड़ा विरोध किया है। साथ ही उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा है कि मोदी सरकार ने किसानों के खिलाफ कड़े कदम उठाए हैं। आंदोलन के दौरान, सरकार ने प्रदर्शन कर रहे किसानों पर अत्याचार किया, जिसमें ड्रोन से आँसू गैस का इस्तेमाल, कँटीले तार लगाना, और यहां तक कि गोली चलाना भी शामिल था। इन घटनाओं ने देश के 62 करोड़ किसानों को गहरे जख्म दिए हैं, जिन्हें वे कभी भूल नहीं पाएंगे। उनका कहना है कि मोदी सरकार ने किसानों के प्रति अपमानजनक टिप्पणियाँ की हैं। प्रधानमंत्री ने संसद में किसानों को आंदोलनजीवी और परजीवी कहा, जिसका जवाब हरियाणा समेत सभी चुनावी राज्यों के किसानों द्वारा दिया जाएगा।

शहीद किसानों का सम्मान नहीं

किसानों की शहादत के बाद, सरकार ने उनके परिवारों को कोई राहत नहीं दी। संसद में शहीद किसानों की याद में दो मिनट का मौन रखने की भी जरूरत नहीं समझी गई। इसके बजाय, सरकार ने लगातार किसानों का चरित्र हनन जारी रखा है। यह भी दावा किया कि पूरा देश जान गया है कि भाजपा की नीतियों में किसान विरोधी मानसिकता बसी हुई है, और यह स्थिति अब और बर्दाश्त नहीं की जा सकती।

संक्षिप्त समाचार

राम मंदिर की हर साल बढ़ रही कमाई, पांच साल में 55 अरब रुपए मिला दान

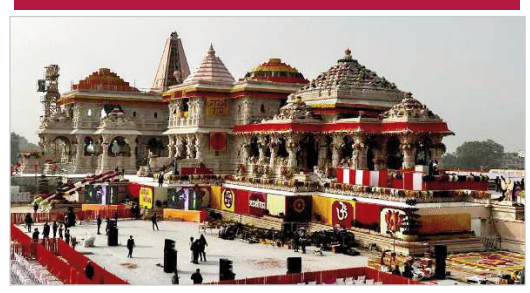

अयोध्या। अयोध्या में रोज एक लाख से ज्यादा भक्त रामलला के दर्शन पूजन के लिए पहुंच रहे हैं और मंदिर निर्माण के लिए दान कर रहे हैं। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि अयोध्या के राम मंदिर की सालाना कमाई देश के अन्य प्रमुख मंदिरों के बराबर हो गई है। बीते वित्तीय वर्ष में कई माध्यमों से 363 करोड़ रुपए का दान प्राप्त हुआ, जिसके बाद मंदिर की सालाना आय ब्याज समेत 400 करोड़ तक पहुंच गई है। पिछले पांच सालों में राम मंदिर को करीब 55 अरब रुपए का दान मिला है, जिसमें 13 क्विंटल चांदी और 20 किलो सोना भी शामिल है। पिछले साल विदेशों से भी करीब 15 करोड़ रुपए का दान मिला था लेकिन देश के अन्य मंदिरों में जो दान आया उसमें आंध्र प्रदेश के तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर की सालाना आय 1450-1613 करोड़ रुपए है, जबकि केरल के पद्मनाभस्वामी मंदिर से 650-700 करोड़ रुपए, पंजाब के स्वर्ण मंदिर से 500 करोड़ और जम्मू एवं कश्मीर के वैष्णो देवी मंदिर से 400 करोड़ रुपए की आमदनी हुई। अवध विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर की सालाना आय सबसे ज्यादा है, जो करीब 1600 करोड़ रुपए है। राम मंदिर की आय भी अब वैष्णो देवी और शिरडी साईं मंदिर के स्तर पर पहुंच गई है। यह आर्थिक वृद्धि न केवल अयोध्या के मंदिर की भक्ति को दर्शाती है, बल्कि राम भक्तों का प्रभु राम के प्रति आस्था और समर्पण को दर्शाती है।

अफ्रीकी ट्रेनों में लगेंगे भारतीय इंजन, मढ़ौरा संयंत्र इंजन करेगा निर्यात, ट्रायल शुरु

पटना। भारतीय रेलवे ने मढ़ौरा संयंत्र से अफ्रीका रेल इंजन निर्यात करने का फैसला लिया है। अगले साल से निर्यात शुरू हो जाएगा। मढ़ौरा संयंत्र से पहली बार निर्यात करने का फैसला लिया गया है। इस संयंत्र में वैश्विक ग्राहकों को रेल इंजन निर्यात करने की तैयारी की जा रही है। रेलवे के बयान के मुताबिक यहां पर 4,500 एचपी इवोल्यूशन सीरीज का इंजन तैयार किया जा रहा है, जो उच्च तापमान वाले वातावरण में ईंधन से जुड़ी सर्वश्रेष्ठ दक्षता और प्रदर्शन प्रदान करता है। भारतीय रेलवे की ओर से सवाई माधोपुर से सुमेरगंज मंडी तक कवच का ट्रायल किया गया। इस दौरान कुल सात टेस्ट किए गए। ट्रायल के दौरान ट्रेन को 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ाया गया। ट्रायल का निरीक्षण रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया। कवच ने निर्धारित जगह पर ट्रेन को रोक दिया। वह ट्रेन को 50 मीटर दूर जाने की इजाजत नहीं दी। कवच ने ट्रेन की गति को बेहद सावधानी के साथ किया।

आतिशी को दिल्ली पुलिस ने 'जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी सिंह को पुलिस ने 'जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने आतिशी के काफिले में एक पायलट सहित सुरक्षा कवर मुहैया कराया है। प्रोटोकॉल के तहत दिल्ली के मुख्यमंत्री को गृह मंत्रालय के निर्देश पर 'जेड श्रेणी की सुरक्षा दी जाती है। दिल्ली पुलिस 'जेड श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति के लिए पालियों में 22 सुरक्षाकर्मी तैनात करती है। 'जेड श्रेणी की सुरक्षा में निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ), 'एस्कॉर्ट और सशस्त्र सुरक्षा कर्मी भी शामिल होते हैं। एक पुलिस सूत्र ने कहा कि खतरे के आंकलन के बाद गृह मंत्रालय के निर्देश पर केंद्रीय एजेंसियों द्वारा आगे भी उनकी सुरक्षा की समीक्षा की जा सकती है।

इंजीनियरिंग कोर्स में होगी मेडिकल की पढ़ाई

मेडिकल फील्ड में तकनीकी का उपयोग बढ़ने से नए कोर्स

जयपुर । चिकित्सा के क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से तकनीकी का क्षेत्र बढ़ता चला जा रहा है। जांच और ऑपरेशन इत्यादि में अब मशीनों का प्रयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है। जिसके कारण अब इंजीनियरिंग के क्षेत्र में चिकित्सा पढ़ाई की भी मांग सामने आने लगी है। चिकित्सा जगत में अब टेक्नोक्रेट्स की मांग बढ़ रही है। आईआईटी जोधपुर,आईआईटी मद्रास, आईआईटी रुड़की बनारस हिंदू विश्वविद्यालय इत्यादि संस्थानों में फ्यूजन इंजीनियरिंग की ब्रांच शुरू होने जा रही हैं। बायोलॉजिकल इंजीनियरिंग,बायो इंजीनियरिंग, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, बायो साइंस इत्यादि के नए कोर्स शुरू किए जाने पर गंभीरता से विचार हो रहा है। चिकित्सा क्षेत्र में जिस तरह से टेक्नोक्रेट की मांग बढ़ रही है। उसको देखते हुए फिजियोलॉजी, एनाटॉमी तथा बायोकेमेस्ट्री में नई शिक्षा की जरूरत महसूस की जा रही है। इस तरह के कोर्स तैयार किया जा रहे हैं। जिसमें चिकित्सा और तकनीकी क्षेत्र में जो बदलाव आ रहे हैं। उनके विशेषज्ञ तैयार किया जा सकें।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

ACB की जांच में अवैध संपत्ति आलमसिंह ने अपने पद का दुरुपयोग करके भ्रष्ट तरीकों से अर्जित की

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम १९८८ की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की DILR (ज़िला भूमि रिकॉर्ड निरीक्षक) कार्यालय के पूर्व ज़िला निरीक्षक आलमसिंह जीपीसिंह चौहान को आय से १२८.७५% अधिक अनुपातहीन संपत्ति रखने के आरोप में एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने गिरफ्तार किया है। ACB की जांच में पता चला कि आलमसिंह ने अपने पद का दुरुपयोग करके भ्रष्ट तरीकों से अवैध संपत्ति अर्जित की थी, जो उनकी आय की तुलना में काफी अधिक थी। आलमसिंह की आय ५६.९६ लाख रुपये थी, जबकि उन्होंने १.३० करोड़ रुपये की संपत्ति में निवेश किया था।

ACB को पुख्ता जानकारी मिलने के बाद आलमसिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। जांच में उनके बैंक खाते, संपत्ति और अन्य वित्तीय दस्तावेज़ों की जांच की गई, जिससे पता चला कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करके अवैध धन अर्जित किया था। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम १९८८ की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सूरत की DILR (ज़िला भूमि रिकॉर्ड) कार्यालय के तत्कालीन ज़िला निरीक्षक आलमसिंह जीपीसिंह चौहान के खिलाफ एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने पुलिस निरीक्षक बी.डी. राठवा ने सरकार की ओर से शिकायत दर्ज की और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम १९८८ की धारा १३(१)(e), भूमि अधिनियम (संशोधन २०१८) की धारा १३(१)(बी) और १३(२) के तहत अपराध दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी की और कानूनी कार्यवाही शुरू की।

एसीबी ने कई दस्तावेजी सबूत, बैंक खातों की जानकारी और सरकारी दफ्तरों से वित्तीय लेन-देन से जुड़ी जानकारियां जुटाईं। इन सबूतों के आधार पर आलमसिंह पर आरोप है कि उन्होंने अपनी वैध आय से अधिक संपत्ति अर्जित की, जो भ्रष्टाचार का परिणाम है।

आरोपी आलमसिंह ने अपनी वैध आय ५६,९६,१०२ रुपये के मुकाबले अपने और अपने परिवार के नाम पर कुल १,३०,९९,२८२ रुपये की नकदी और खर्च किए थे, जो जांच के दौरान पाया गया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी ने अपनी आय से ७३,३३,६५८ रुपये अधिक संपत्ति अर्जित की थी, जो उनकी आय के मुकाबले १२८.७५% से अधिक की अनुपातहीन संपत्ति है।

शिकायत दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया है। आरोप है कि उन्होंने अपनी ड्यूटी के दौरान भ्रष्ट तरीकों का सहारा लेकर अपने और अपने आश्रितों के नाम पर अवैध संपत्ति अर्जित की। एसीबी को इस मामले में पुख्ता जानकारी मिली थी, जिसके आधार पर उन्होंने आलमसिंह की संपत्ति की जांच शुरू की।

उद्योग में मंदी और आत्महत्याओं पर जनजागृति के लिए कांग्रेस हित रक्षक

सूरत के मिनी बाजार में कार्यक्रम आयोजित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत का हीरा उद्योग लाखों लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करता है। लेकिन पिछले नौ महीनों से यह उद्योग गंभीर संकट का सामना कर रहा है। वैश्विक बाजार में चल रहे युद्ध और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की उथल-पुथल का असर अब हीरा उद्योग पर भी साफ दिखने लगा है, जिससे सूरत के हीरा उद्योग पर सीधा प्रभाव पड़ा है।

अतिक्रमण विभाग की टीम और स्थानीय लोगों के बीच टकराव

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में एक बार फिर अतिक्रमण विभाग की टीम और स्थानीय लोगों के बीच टकराव हो गया है। पांडेसरा बमरौली इलाके में अतिक्रमण विभाग द्वारा लोगों की लारी-गल्ला (ठेले) जब्त किए जाने पर तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई, और कर्मचारियों को धक्का-मुक्की का सामना करना पड़ा। लोगों ने आरोप लगाया कि जो लोग पैसे देते हैं, उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

जब लारी-गल्ला जब्त किए जाते हैं, तो लोग इसका विरोध करते हैं। सूरत शहर में पहले भी कई बार अतिक्रमण विभाग की टीम और लोगों के बीच इस तरह का टकराव देखा गया है। जब विभाग की टीम कार्रवाई करती है और लोगों के ठेले जब्त करती है, तो लोग इसका विरोध करते हैं और कई बार स्थिति तनावपूर्ण हो जाती है। आज ऐसा ही एक और मामला सूरत के पांडेसरा बमरौली इलाके में सामने आया।

लोगों ने अधिकारियों के साथ धक्का-मुक्की की। जब नगर निगम की अतिक्रमण विभाग की टीम वहां पहुंची और ठेले जब्त किए, तो स्थानीय लोगों ने विरोध करते हुए अधिकारियों के साथ धक्का-मुक्की की। नगर निगम की गाड़ियां भी रोकी गईं, और अधिकारियों के साथ विवाद हुआ। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि जो लोग पैसे देते हैं, उनके ठेले जब्त नहीं किए जाते हैं।

१० दुकानें किराए पर लेकर कपड़ा व्यापारी के साथ १,४५,३३,३९८ रुपये की धोखाधड़ी

टेक्सटाइल व्यापारियों को निशाना बनाने वाले गिरोह का एक आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के आर्थिक अपराध शाखा (इकोनॉमिक सेल) ने टेक्सटाइल मार्केट में व्यापारियों से कपड़ा खरीदने और भुगतान किए बिना दुकानों को बंद करने वाले गिरोह के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह ने अलग-अलग स्थानों पर १० दुकानें किराए पर लीं और व्यापारियों से कपड़ा खरीदा। इसके बाद, सभी दुकानें एक साथ बंद कर दीं और व्यापारी से १,४५,३३,३९८ रुपये की धोखाधड़ी की।

सूरत के उत्राण क्षेत्र में स्थित आदित्य बंगले में रहने वाले और टेक्सटाइल उद्योग से जुड़े बिपिनभाई गाबाणी ने श्रीकृष्ण इंडस्ट्रीज़ एस्टेट में अपनी "मा खोडियार टेक्सटाइल" नामक कंपनी से कपड़ा उत्पादन किया। वर्ष २०२३ में, आरोपी साहिल शेट कपड़ा दलाल के रूप में उनके कारखाने आए और खुद को एक बड़ा कपड़ा दलाल बताया।

१.४५ करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी

जब व्यापारी ने उन दुकानों का दौरा किया, जहां उसने कपड़ा भेजा था, तो सभी दुकानें बंद थीं। इस मामले में इकोनॉमिक सेल ने आरोपी किशन उर्फ चांदक को गिरफ्तार किया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

आरोपी ने व्यापारी से कपड़ा बेचने की पेशकश की। कुछ व्यापारियों को कपड़ा बेचने के बाद शुरुआती भुगतान समय पर आने के कारण, व्यापारी को साहिल शेट पर भरोसा हो गया। आरोपी ने अन्य व्यापारियों को भी कपड़ा बेचने के लिए कहा। लेकिन जब व्यापारी ने समय पर भुगतान के लिए साहिल शेट से संपर्क किया, तो उसने कुछ समय बाद भुगतान करने का आश्वासन दिया, लेकिन दिन बीतने के साथ ही व्यापारी को संदेह हुआ।

युवक का गला काटने की कोशिश करने वाले दो सगे भाइयों को कापोदरा पुलिस ने गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के कापोदरा मेन रोड पर फुटपाथ पर रहने वाले एक युवक का गला काटने की कोशिश करने वाले दो सगे भाइयों को कापोदरा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये दोनों भाई पहले से ही खतरनाक अपराधी हैं और राजस्थान सरकार ने उन पर पाँच-पाँच हजार का इनाम घोषित किया था। दोनों भाइयों ने एक साल पहले जयपुर के केडल थीम पार्क के चौकीदार की हत्या कर दी थी और फरार हो गए थे।

घटना के अनुसार, २० सितंबर को एक युवक, दशरथ बागरी, जिसका गला कटा हुआ था, अस्पताल में भर्ती किया गया। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले का निवासी दशरथ सूरत के कापोदरा मेन रोड पर फुटपाथ पर रहता था, जहां उत्तर प्रदेश के निवासी प्रकाश और रमेश कश्यप भी रहते थे।

इन दोनों भाइयों के पैसे चोरी हो जाने के शक में उन्होंने १९ सितंबर की रात को दशरथ का गला काट दिया। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। जांच में पता चला कि ये दोनों भाई कई आपराधिक मामलों में पहले से वांछित थे, जिनमें हत्या, चोरी और हथियार रखने के अपराध शामिल हैं।

नवसारी जिले के चिखली ११ लाख से अधिक की अवैध शराब से भरी ट्रक को पकड़ा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में शराबबंदी के बावजूद त्योहारों के मौसम में शराब की मांग बढ़ने लगती है, जिससे बूटलेगर शराब की सप्लाई तेज कर देते हैं। नवसारी जिले के चिखली के पास पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए ११ लाख से अधिक की अवैध शराब से भरी ट्रक को पकड़ा है। यह शराब दमन से दक्षिण और उत्तर गुजरात में सप्लाई की जा रही थी।

स्टेट मॉनिटरिंग सेल (स्स्ट) को सूचना मिली थी कि वलसाड से सूरत जा रहे एक वाहन में अवैध शराब है। पुलिस ने चिखली चार रास्ता के पास ट्रक को रोककर तलाशी ली, जिसमें ११,५२,९६० रुपये मूल्य की १०,८४८ शराब की बोतलें बरामद की गईं। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर देवेंद्रसिंह उर्फ मिनी रमेश तोमर को गिरफ्तार कर लिया है, और शराब मंगवाने वाले एवं ट्रक मालिक सहित चार अन्य लोगों को वांटेड घोषित कर दिया है। यह मामला चिखली पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया है।

पाप का बाप है लोभ, उस पर विजय प्राप्त करने का साधन है संतोष : अध्यात्मवेत्ता आचार्यश्री महाश्रमण

सूरत, शहर में चतुर्मास करने वाले जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशमाधिशास्ता, महातपस्वी आचार्यश्री महाश्रमणजी की मंगल सन्निधि में अनेकानेक कार्यक्रम, अधिवेशन, सेमिनार, आचार्यश्री की मंगल सन्निधि में चतुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति के अंतर्गत स्थानीय तेरापंथ किशोर मण्डल द्वारा दोदिवसीय तेरापंथ हस्तकला उत्सव का समायोजन किया गया. आचार्यश्री के मंगल आशीष से प्रारम्भ हुए इस उत्सव को दो दिनों में सैंकड़ों लोगों ने देखा, जाना व समझा. किशोरों द्वारा सुन्दर ढंग से हाथों से विभिन्न वस्तुओं पर

बनाई गई कलाकृति प्रदर्शित की गई थी, जो दर्शकों को काफी आकर्षित कर रही थी. नारियल, अखरोट के छिलको पर कलाकारी, लकड़ी, वस्त्र इत्यादि चीजों पर की गयी चित्रकारी उनके हुनर को दर्शा रही थी.

"नानी बाई रो मायरो" एक अनोखी प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा अग्रसेन जयंती महोत्सव में बुधवार को च्नानी बाई रो मायरोज एक अनोखी प्रतियोगिता का आयोजन सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के द्वारका हॉल में किया गया. दोपहर ३ बजे से आयोजित प्रतियोगिता में प्रतियोगियों ने मायरा का दृश्य दर्शाकर बहन और भाई के पवित्र बंधन को

और मजबूती से दिखाया गया. प्रतियोगियों ने नृत्य और स्किट द्वारा बहुत ही सुंदर व मनमोहक दृश्य दर्शाए साथ ही विभिन्न प्रकार के गट नारियल, आरती की थाली, मूंग चावल की ट्रे आदि सजाए. इस मौके पर महिला शाखा की अध्यक्षा सोनिया गोयल, सरोज अग्रवाल, अनीता केडीया, मधु अग्रवाल, लीना चौधरी, मेघना गोयल, सीमा भगेरिया सहित महिला शाखा की अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं.